तापमान

अधिकतम 38.2 डिग्री

न्यूनतम 25.4 डिग्री

हरिभूमि इस्पात भूमि

रायपुर, सोमवार 29 जून 2026

12 दुर्ग जिले के 514 पीडीएस दुकानों में राशन ...

13 ग्रामीण अंचल में नौनिहालों ने पी जिंदगी की दो बूंद...

दो दिनों से शाम को काले बादल आकर लौट रहे, बारिश का अब फिर से इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

मानसूनी बारिश फिर से इंतजार में बदल गया है। 26 जून को यानी तीन दिन पहले अच्छी बारिश के साथ मानसून का आगाज हुआ था लेकिन दो दिनों से यह दगा दे रहा है। हर शाम को नम हवाएं चलती है। आसमान पर घने काले बादल मंडराते हैं लेकिन बरसते नहीं। अचानक बादल गायब हो जाते हैं। इस हालात ने फिर से किसानों को चिंता में डाल दिया है। लोग भी गर्मी से हलाकान हैं। उमसभरी गर्मी लोगों को खूब परेशान कर रही है। मौसम विभाग हर दिन मानसूनी बारिश की संभावनाएं बता रहा है लेकिन दुर्ग जिले में स्थिति बेहद उलट है। मानसूनी बारिश के नाम पर कहीं हल्की बारिश हो रही है तो कहीं बूंदाबांदी।

किसानों की बोनी हो रही प्रभावित

तीन दिन पहले अच्छी मानसूनी बारिश हुई थी तो किसानों की उम्मीदें जागी थी। 26 जून को मौसम विभाग ने दुर्ग जिले में 25.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की है। किसान खेती की ओर जाने लगे थे लेकिन 27 जून को बारिश नहीं होने से वे थम गए। किसान खेती किसानी का काम शुरू नहीं कर पा रहे हैं। देरी से फसलों की पैदावारी प्रभावित हो सकती है।

पारा पहुंचा 38 डिग्री पार

बारिश नहीं होने की वजह से पारा 38 डिग्री सेल्सियस पार हो गया है। मौसम विभाग ने रविवार को अधिकतम तापमान 38. डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। जो सामान्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा है। एक दिन पहले शनिवार को पारा 39 डिग्री सेल्सियस तक चला गया था। यानी बारिश नहीं होने की वजह से पारा बढ़ता जा रहा है। न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। न्यूनतम तापमान में कोई खास घट-बढ़ नहीं हो रही है।

26 को ही बरसे थे मानसूनी बादल फिर हो गए गायब

आज भी छाएंगे बादल और होगी बारिश की संभावना

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि 29 जून को दुर्ग सहित प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की ने मध्यम वर्षा होने की संभावना है। एक स्थानों पर गरज -चमक के साथ वज्रपात और भारी वर्षा होने की संभावना है। दो दिनों के बाद अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। एक स्थानों पर भारी वर्षा तथा गरज चमक के साथ उनपात होने की संभावना है। दुर्ग भिलाई शहर में आकाश आशिक मेघमय रहने तथा गरज चमक के साथ वर्षा व तेज हवाओं की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश 35°C और 27°C के आसपास रहने की संभावना है।

इस तरह चल रहा सिनोप्टिक सिस्टम

मौसम विभाग के मुताबिक मौसमी द्रोणिका पंजाब में हरियाणा और उत्तर प्रदेश में होकर बिद्धार तक समुद्र तल पर बना हुआ है। एक द्रोणिका उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश से विदर्भ होते हुए तेलंगाना तक समुद्र तल में 0.9 किमी की ऊंचाई पर बनी हुई है।मध्य प्रदेश और उसके आस-पास के इलाकों में ममुद्र तल से 3.1 में 5.5 किमी की ऊंचाई के बीच ऊपरी दबाव का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। एक द्रोणिका तटीय आध प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में छत्तीसगढ़ और मराठवाड़ा होते हुए मध्य महाराष्ट्र तक समुद्र ताल में 4.5 किमी की ऊंचाई पर बना हुआ है।

2011 से संचालित
शंकराचार्य
स्वामी स्वरुपानंद कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जुनवानी, भिलाई
B.c. NURSING
&
M.Sc. NURSING
प्रवेश के लिए संपर्क करें
मो.: 83193 47482
81030 45003
Website : ssscn.ac.in

खबर संक्षेप

हथियार लेकर लोगों को धमकाने वाला गिरफ्तार

भिलाई। हथियार लेकर लोगों को धमकाने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन रोड के पास गौठान के सामने, कोसानगर में युवक अपने हाथ में धारदार हथियार लेकर धमका रहा था। पुलिस ने उसे पकड़ लिया।पूछताछ में युवक ने अपना नाम कोसा नगर सुपेला निवासी राकेश सोना बताया है। उसके पास से पुलिस ने धारदार हथियार बरामद हुआ है। युवक के खिलाफ पुलिस ने धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया है।

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। अवैध शराब के साथ युवक को पुलिस ने पकड़ा है। धमधा पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम बरहापुर नर्सरी के पास अवैध शराब के साथ ग्राम शिवकोकड़ी लिटिया सेमरिया निवासी कुमार निषाद को पकड़ा गया। उसके पास से पुलिस ने 35 शोले प्लेन देशी शराब कुल 6.300 लीटर जब्त किया। जिसकी कीमत 2,800 रुपए आंकी गई है।

अव्यवस्था : जिला अस्पताल में 137 तरह की जांच का ठेका और कर रहे 92 टेस्ट

हमर लैब बंद कर एचएलएल को दिया ब्लड टेस्ट का ठेका, 20 की जगह 13 स्टॉफ से चला रहे काम

देवीलाल साहू ⏭भिलाई

जिला अस्पताल में हमर लैब बंद करने के बाद आउट सोर्सिंग को लैब टेस्टिंग का काम दिए महीनेभर हो गया है लेकिन व्यवस्था फेल है। एचएलएल कंपनी को लैब से जुड़े टेस्टों की जिम्मेदारी दी गई है लेकिन आधे-अधूरे स्टॉफ से ही काम चलाया जा रहा है। एचएलएल कंपनी को जब काम दिया गया तो उन्होने लैब संचालन के लिए 20 स्टॉफ मुहैया करवाने की जानकारी शासन को दी लेकिन केवल 13 स्टॉफ से की काम चलाया जा रहा है। कम स्टॉफ की वजह से लैब जांच की व्यवस्था अस्त-व्यस्त चल रही है। कंपनी के नए स्टॉफ को लैब सिस्टम की पूरी जानकारी नहीं हैं। जिसकी वजह से मरीजों को भटकना पड़ रहा है। कंपनी ने 137 तरह की जांच का ठेका लिया है लेकिन केवल 97 जांच की कर पा रही है।

जिला अस्पताल में लैब जांच की व्यवस्था अस्त-व्यस्त

केवल एक डॉक्टर एक चौकीदार व 11 गैरअनुभवी स्टॉफ

एचएलएल कंपनी ने जिला अस्पताल के लैब संचालन के लिए एक डॉक्टर एक चौकीदार और 11 स्टॉफ रखे हैं। मरीजों ने बताया कि ब्लड सेंपल लेने वाले स्टॉफ बिल्कुल नए हैं और गैरअनुभवी है। एक मरीज का ब्लड सेंपल लेने के लिए तीन-तीन स्टॉफ जुटे रहते हैं।ब्लड सेंपल निकालने के लिए नर्सें तक ठीक से ढूढ़ नहीं पाते। मरीजों को दो से तीन बार सीरिंज चुभाई जा रही है तब बुमुश्किल से ब्लड निकाल पाते हैं।

हाल ऐसा कि नियमित स्टॉफ भी कर रहा है कंपनी का आधा काम

एचएलएल कंपनी को लैब संचालन का काम भले ही आउट सोर्सिंग पर दिया गया है लेकिन हकीकत यह है कि जिला अस्पताल का नियमित स्टॉफ आधा काम कर रहा है। 28 नंबर का पूरा स्टॉफ जिला अस्पताल प्रबंधन का है। इसी तरह जिला अस्पताल लैब में भी डॉक्टर को जिला प्रशासन ने संविदा में नियुक्त कर 2 लाख रुपए प्रति महीने भुगतान कर रहा है। यहां भी नियमित स्टॉफ हैं। जहां संविदा और नियमित स्टॉफ काम कर रहे हैं।

शासन के दबाव में अभी तक काम तय नहीं कर पाया है प्रबंधन

नियमित स्टॉफ और ठेका कंपनी एचएलएल के स्टॉफ का काम अलग-अलग बंट नहीं पाया है। जिसकी वजह से नियमित स्टॉफ और ठेका कंपनी के स्टॉफ के कामों में तालमेल का जबर्दस्त अभाव है। मरीजों को एचएलएल कंपनी के स्टॉफ अलग जानकारी दे रहे हैं और नियमित स्टॉफ जानकारी देने से हाथ खड़ा कर रहे हैं। इसलिए एक मरीज सुबह 11 बजे गया है तो उसे दोपहर 1 बजे तक इलाज व जांच के लिए भटकना पड़ रहा है। प्रबंधन शासन के निर्णय की वजह से कंपनी पर दबाव नहीं बना पा रहा है।

नहीं आया है पूरा स्टॉफ

एचएलएल कंपनी का पूरा स्टॉफ अभी नहीं आया है। इसलिए टेस्टिंग काम में जिला अस्पताल का नियमित व संविदा कर्मी भी हाथ बंटा रहे हैं। मरीजों को कोई दिक्कत न हो ऐसी मंशा हमारी है।

-डॉ. एके मिंज, सिविल सर्जन जिला अस्पताल

इन उदाहरण से समझिए मरीजों की दशा

जिला अस्पताल में मदर चाइल्ड यूनिट में योगिता नाम युवती प्रेग्नेंसी जांच के लिए गई। यहां पर पर्ची कटवाने के बाद महिला डॉक्टर ने उसकी जांच की और ब्लड व यूरिन टेस्ट के लिए लिखा। एचएलएल कंपनी की स्टॉफ ने इस युवती का ब्लड सेंपल लिया और उसकी यूरिन जांच के लिए 28 नंबर भेज दिया। 28 नंबर जिला अस्पताल की पूर्ववत व्यवस्था है जहां लैब जांच संबंधी कार्य के लिए रजिस्ट्रेशन होता है। यहां से जितने भी टेस्ट डॉक्टर ने लिखे हैं उसके लिए अलग-अलग प्लास्टिक की शीशी दी जाती है। यूरिन के लिए अलग से डिब्बे दी जाती है। यहां रजिस्ट्रेशन हुआ। यूरिन के लिए डिब्बे पर बार कोड लगाया और उसे भेज दिया। योगिता वापस मदर चाइल्ड यूनिट में फिर लौटी तो एचएलएल स्टॉफ ने उसे ब्लड सेंपल की तीन शीशियों को फिर थमा दिया और कहा कि 28 नंबर में फिर से जाओ। एक प्रेगेंट युवती को इस तरह मदर चाइल्ड यूनिट जो जिला अस्पताल के दूसरे बिल्डिंग में है दो बार चक्कर लगाने पड़े। एचआईवी जांच के लिए भी डॉक्टर ने लिखा था। एचआईवी जांच के लिए 27 नंबर में भेजा गया। यहां बैठी महिला स्टॉफ ने वापस मदर चाइल्ड यूनिट यह कह कर भेज दिया कि प्रेग्नेंसी वालों को वहीं जांच होगी। हम नहीं करते। मदर चाइल्ड यूनिट में जाने पर यह कह दिया कि दोपहर 1 बज रहे हैं इसलिए समय हो गया। अगले दिन आना।

नोट ये एक मात्र उदाहरण हैं। इस युवती जैसे हर दिन कई मरीज भटक रहे हैं।

जुए के फड़ में पुलिस की दबिश, 8 जुआरी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

जुए के बड़े फड़ में पुलिस ने दबिश देकर आठ जुआरियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना 27 जून की रात कती भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर बड़कू दाऊ की बाड़ी स्थित मकान में जुआ चल रहा था।

दबिश देकर मकान से सिरसा कला भिलाई 3 निवासी तुंगत चंद्राकर, शिवम वर्मा, गुड़ी परछी, सिरसा कला केवल चंद्राकर, हनुमान मंदिर के पास, सिरसा कला प्रवीण देवांगन, पाटन पुल के पास उतई ताकेश्वर साहू, विश्व बैंक कालोनी भिलाई तीन चिराग चंद्राकर, गायत्री मंदिर के पास, सिरसा कला, प्रकाश चंद्राकर, गांधी चौक उतई कुल्लू साहू को पकड़ा गया। जुआरियों से नगद 1.82 लाख 670 रुपए, 8 मोबाइल, तीन बाईक जब्त किया गया है। जब्त सामानों की कीमत 5.20 लाख रुपए आंकी गई है। यहां जुआ लंबे समय से चल रहा था। पुलिस इन पर पैनी नजर रखी हुई थी।

- भिलाई तीन पुलिस की कार्रवाई
- 1.82 लाख रुपए नकद मिला
- तीन बाइक समेत 5 .20 लाख का सामान जब्त

सूचना मिलते ही रात को पुलिस टीम पहुंची और घेराबंदी कर कार्रवाई किया है। मामले को लेकर पुलिस ने जुआ का कारोबार में और कौन-कौन शामिल है इसे लेकर नेवटवर्क खंगाल रही है। पुलिस पकड़े गए जुआरियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

शैलदेवी महाविद्यालय
Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg
अंडा, दुर्ग
9575037637
6265377477
ADMISSION OPEN
BA (Home Science Geography)
BCom
MCom
BCA
DCA
PGDCA
Scholarship - 8000 to 13000/-
Girls/Boys Hostel
BSc Maths/CS/Bio
MSc Physics/Chemistry Computer Science
MSW
B.Lib
PG Diploma in YOGA
B.Ed, D.El.Ed, B.Sc B.Ed.

जलाराम लॉज की आड़ में चल रहा था देह व्यापार का कारोबार, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दबिश देकर तीन युवतियां और ग्राहक पकड़ में, दुर्ग कोतवाली पुलिस की कार्रवाई

जलाराम लॉज और आइसक्रीम पार्लर की आड़ में देह व्यापार का कारोबार करने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने लॉज संचालक विजय गुजराती सहित अन्य दो पुरूष व तीन युवतियों को हिरासत में लिया है। दुर्ग कोतवाली पुलिस ने बताया कि रविवार को सूचना मिली थी कि जलाराम लॉज व उसके आईस्क्रीम पार्लर में लड़कियां रखकर देह व्यापार कराया जा रहा है।

सूचना मिलते ही पुलिस की तीन गाड़ियां आइसक्रीम पार्लर पहुंची। वहां पुलिस को देख अचानक पार्लर में हडकंप मच गया। पुलिस ने तुरंत पूरे परिसर को घेर लिया। इसके बाद वहां तलाशी ली गई तो चौकाने वाली चीजें मिलीं। जिस लॉज में कार्रवाई हुई है उसके नीचे जलाराम लॉज नाम से दुकान संचालित थी। उसके संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच के साथ आरोपी से पूछताछ कर रही है।

मौके से तीन युवतियां गिरफ्तार

पुलिस ने जब लॉज की तलाशी ली तो वहां से तीन लड़कियां ग्राहकों के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार की गईं। पुलिस ने तीनों युवतियों और ग्राहकों से पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि लॉज में हर किसी को प्रवेश नहीं दिया जाता था, केवल उन्हीं लोग अंदर जाते थे, जिनका मोबाइल नंबर पहले से सेव था। ये भी पता चला है कि ये लड़कियां उड़ीसा से काम के बहाने लाई जाती थीं और उन्हें जबरदस्ती देहव्यापार में ढकेला जाता था।

भिलाई एक्सचेंज यार्ड की 2 नई लाइनें चालू, दो को किया इंटरलॉक

ट्रेनों के लिए हैवी-ड्यूटी वेल्डिंग प्लांट, भिलाई में होगा रख-रखाव

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने माल परिवहन को बेहतर बनाने के लिए रेलवे ने उपलब्धियां हासिल की है। सिगनल एवं दूरसंचार प्रोजेक्ट यूनिट ने राइट्स के सहयोग से भिलाई एक्सचेंज यार्ड में बड़े सिगनलिंग एवं आधारभूत संरचना उन्नयन कार्य पूर्ण कर लिया है।

परियोजना के तहत यार्ड में दो नई लाइनें शुरू की गई है। दो अन्य लाइनों को इंटरलॉक किया गया है। आधुनिक सिगनलिंग प्रणाली, ओवरहेड ओएचई से पूर्णतः बेहतर किया गया है। भिलाई एक्सचेंज यार्ड दक्षिण पूर्व मध्य

रेलवे के सबसे बड़ा एवं व्यस्त माल यार्डों में से एक है। जहां 544 रूट्स के विशाल नेटवर्क का संचालन होता है। यार्ड के रूट रिले इंटरलॉकिंग में आवश्यक संशोधन कर नई लाइनों एवं क्रॉसओवरों को आधुनिक प्रणाली से जोड़ा गया है। परियोजना के अंतर्गत एल्डाइन के मल्टी-सेक्शन डिजिटल एक्सेल काउंटर प्रणाली के 14 डिजिटल एक्सेल काउंटर बनाए गए है। 5 क्रॉसओवरों को इंटरलॉक किया गया है। जिससे ट्रेनों की संरक्षित एवं निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी। नई लाइनें अत्याधुनिक एंट्री-एग्जिट सिगनलिंग सिस्टम एवं पूर्ण ओएचई सुविधा से बेहतर है। इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के माध्यम से निर्बाध शंटिंग संचालन होगा। मालगाड़ियों के टर्नअराउंड समय में भी कमी आएगी। भिलाई एक्सचेंज यार्ड में 2 नई लाइनों के चालू व दो अन्य लाइनों का इंटरलॉकिंग का काम पूर्ण होने से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की माल ढुलाई क्षमता, परिचालन दक्षता बेहतर होगी।

रोलिंग स्टॉक के रखरखाव में उल्लेखनीय वृद्धि भी किया जाएगा। परियोजना रेलवे की आधुनिक, संरक्षित, तेज माल परिवहन प्रणाली विकसित करने की दिशा में बेहतर कदम है। जिससे उद्योगों एवं रेल कस्टमर को अधिक भरोसा और दक्ष रेल माल परिवहन सेवा उपलब्ध हो सकेगी।

खड़े वैगन की तुरंत मरम्मत भी

परियोजना के अंतर्गत यार्ड में एंड अनलोडिंग रेक्स के निरीक्षण, मरम्मत,रखरखाव के लिए सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। नई लाइनों, लाइन संख्या 18 एवं 19 को रख रखाव कार्यों के लिए विकसित किया है। चौबीसों घंटे रखरखाव सुनश्चिति करने 6 हेवी-ड्यूटी वेल्डिंग प्लांट, 30 वेल्डिंग टर्मिनल बनाए गए है। जिससे किसी भी स्थान पर खड़े वैगन पर तत्काल मरम्मत कार्य किया जा सकेगा। नई व्यवस्था से छोटी एवं मध्यम श्रेणी की मरम्मत अब सीधे रेक पर ही की जा सकेगी। जिससे अनावश्यक शंटिंग की आवश्यकता कम होगी। ट्रेन के वैगनों की उपलब्धता भी बढ़ेगी, साथ ही, लाइनों के बीच विकसित चौड़े कंक्रीट पथ के माध्यम से भारी मशीनरी सामग्री को सीधे रेक तक आसानी से पहुंचाया जा सकेगा। ट्रैफिक अथवा परिचालन से जुड़े आपात स्थिति के दौरान यार्ड में ही खराब (सिक) वैगनों को अलग रखकर उनकी काम किए जाने की भी सुविधा है।

अग्रसेन
प्रा. आई.टी.आई
BHILAI | DHANORA
ELECTRICIAN
2 Year (10th Pass)
FITTER 2 Year (10th Pass)
C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
कुरुद रोड कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93949 • 89595-44444
अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस, ग्राम-धनोरा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93934 • 89595-44444

खबर संक्षेप

65 दंपत्तियों को मिलेगा प्रोत्साहन राशि

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित अस्पृश्यता निवारणार्थ अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कुल 65 पात्र दम्पत्तियों को योजना का लाभ प्रदान करने हेतु स्वीकृति दी गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना के तहत अंतर्जातीय विवाह करने वाले दम्पत्तियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। छत्तीसगढ़ अस्पृश्यता निवारणार्थ अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना नियम 1978 संशोधित 2019 के प्रावधानों के अनुसार प्रोत्साहन राशि के भुगतान से पूर्व सभी पात्र दम्पत्तियों से 10 रुपये के नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर राशि प्राप्ति संबंधी शपथ पत्र प्राप्त किया जाना अनिवार्य है। सभी पात्र दम्पत्तियों से कहा गया है कि वे कार्यालयीन समय में सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, दुर्ग कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित शपथ पत्र प्रस्तुत करें। आबंटन की उपलब्धता के अनुसार शपथ पत्र प्राप्ति के क्रम में प्रोत्साहन राशि का भुगतान सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में किया जाएगा।

जिले में मत्स्याखेट 15 अगस्त तक प्रतिबंधित

दुर्ग। वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुये उन्हें संरक्षण देने हेतु राज्य में छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम-1972 की धारा-3 उपधारा-2 के तहत 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु क्लोज सीजन के रूप में घोषित किया गया है।उप संचालक मत्स्य सीमा चन्द्रवंशी से मिली जानकारी अनुसार जिले के सभी तालाबों एवं जल स्त्रोतों में जिनका संबंध नदी नालों से नहीं है। इसके अतिरिक्त जलाशयों में किये जा रहे केज कल्चर को छोड़कर, सभी प्रकार के जल संसाधनों में 15 अगस्त 2026 तक मत्स्याखेट कार्य पूर्णतः निषिद्ध रहेगा।

श्रद्धांजलि सभा आज

दुर्ग। तीर्थराज देवी निकुंभला जय शक्ति आश्रम निकुम के संस्थापक संत श्री माताजी के देवलोक गमन के बाद श्रद्धांजलि सभा 29 जून को सुबह 10 बजे रखी गई है।

दुर्ग जिले में 81% बच्चों ने पिया पोलियो ड्राप, आज छूटे बच्चों को पिलाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान के प्रथम दिवस शनिवार को दुर्ग जिले में करीब 81 प्रतिशत बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाई गई। इस दौरान पालकों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में कलेक्टर, जनप्रतिनिधि व अधिकारियों की भागीदारी देखने मिली।

नगर निगम क्षेत्र दुर्ग अंतर्गत वार्ड पार्षद हिरौंदी चंदनिया, दुर्ग के मंडल अध्यक्ष कुशल साहू द्वारा सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भूमिका वर्मा की उपस्थिति में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पोटियाकला दुर्ग में पोलियो ड्रॉप पिलाकर अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ किया गया। शहरी क्षेत्र भिलाई अंतर्गत लाल बहादुर शास्त्री सिविल अस्पताल सुपेला भिलाई में विधायक रिकेश सेन, विकासखंड पाटन अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के पोलियो बुथ में योगेश भाले अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन, विकासखंड धमधा अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के पोलियो बुथ में बृजेन्द्र दानी उपाध्यक्ष नगर पंचायत धमधा, पार्षद लक्ष्मीनारायण, विकासखंड निकुम अंतर्गत पुरानी बस्ती जीडी नगर निकुम में भागवत पटेल सरपंच द्वारा टीकाकरण बूथों में उपस्थित होकर पोलियो ड्रॉप पिलाया गया।

पल्स पोलियो अभियान का प्रथम दिवस कलेक्टर, जनप्रतिनिधि व अधिकारियों ने दी भागीदारी

इन लोगों ने की मॉनिटरिंग

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने बताया गया कि कलेक्टर के निर्देश पर सुबह 8 बजे से शहरी क्षेत्र नगर निगम दुर्ग, भिलाई, चरोदा सहित विभिन्न विकासखण्डों के ग्रामों के टीकाकरण बुथों में मॉनिटरिंग की गई। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव ग्लैड विकासखंड निकुम, जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. सीबीएस बंजारे विकासखंड पाटन क्षेत्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी अभिषेक श्रीवास्तव ने विकासखंड धमधा और अन्य सहयोगी संस्थाओं ने भ्रमण कर मॉनिटरिंग की। विकासखंड क्षेत्रों में खण्ड चिकित्सा अधिकारियों द्वारा डॉ. देवेन्द्र बेलचंदन विकासखंड निकुम, डॉ. बीआर कठौतिया पाटन, डॉ. रचना अग्रवाल ने धमधा, डॉ. पीयाम सिंह ने शहरी भिलाई और टाउनशिप क्षेत्र और डॉ. चुनारकर ने शहरी दुर्ग में भ्रमण कर मानिटरिंग की।

आज और कल 3.5 लाख घरों में देंगे दस्तक

अभियान के द्वितीय व तृतीय दिवस 29 व 30 जून को टीकाकरण दलों जिनमें स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, आंगनबाडी कार्यकर्ता, मितानिन, कोटवार आदि द्वारा जिले के लगभग 3.5 लाख घरों का भ्रमण कर छुटे हुए बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाया जाएगा। सिविल सर्जन डॉ. आशीषन कुमार मिंज ने बताया गया कि रविवार को जिला अस्पताल दुर्ग में जन्म लिए 9 नवजात शिशुओं को पोलियो ड्राप पिलाया गया तथा सेक्टर 9 बीएसपी अस्पताल, निजी नर्सिंग होम में नवजात बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाया गया। इसके अलावा शहरी क्षेत्र दुर्ग व भिलाई के रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड, टेम्पो स्टैण्ड में ट्रांजिट टीम व ओवर ब्रिज के आसपास के झुग्गी झोपड़ी में मोबाईल टीम नें विशेष रूप से भ्रमण किया। ग्रामीण क्षेत्रों के प्रवचन स्थलों, ईट भट्टी व फैक्ट्री क्षेत्र के आसपास, बाड़ी, नदी के किनारे की बसाहट में टीकाकरण दल द्वारा भ्रमण कर पोलियो खुराक पिलाई गई।

पांच महीने से नहीं मिला है पीडीएस वितरण से जुड़े कर्मियों को पैसा

दुर्ग जिले के 514 पीडीएस दुकानों में राशन बांटने वालों को ही राशन के लाले, जिम्मेदार हैं खामोश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत लोगों तक राशन पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाने वाले राशन दुकान संचालक, महिला स्व-सहायता समूह और सेल्समैन स्वयं आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। दुर्ग जिले की 514 शासकीय उचित मूल्य दुकानों में राशन वितरण कार्य से जुड़े लोगों को पिछले पांच माह से कमीशन का भुगतान नहीं होने से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई दुकानों में कार्यरत सेल्समैनों को भी मेहनताना नहीं मिल पाया है, जिससे उनके सामने परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है।

दुर्ग जिले में 4.98 लाख राशन कार्ड धारक हैं। इन कार्ड धारियों के 1693741 सदस्यों को राशन बांटा जाता है। राशन देने के लिए शासन ने अधिकांश स्थानों पर महिला स्व-सहायता समूहों को जिम्मेदारी दी है। इन समूहों के सदस्य और दुकानों में नियुक्त सेल्समैन नियमित रूप से खाद्यान्न वितरण, स्टॉक का रखरखाव, रिकॉर्ड संधारण तथा कार्ड धारियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य करते हैं। इसके बावजूद उन्हें समय पर कमीशन नहीं मिलने से आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है।

4.98 लाख हितग्राही परिवारों को राशन बांटने की निभाते आ रहे हैं जिम्मेदारी

जिले में राशन दुकानें

ब्लॉक	राशन दुकान
दुर्ग	92
पाटन	118
धमधा	96
भिलाई तीन	64
उतई क्षेत्र-	38
ननि शहरी क्षेत्र-	106
कुल	- 514

183497 सदस्यों का ई-केवाईसी करवाने का जिम्मा

जिले में 1 लाख 83 हजार 497 राशनकार्ड सदस्यों की ई-केवाईसी नहीं हो पाया है। जिला खाद्य विभाग ने ई-केवाईसी के लिए राशन दुकान संचालकों को ही जिम्मेदारी सौंपी है। दुकान संचालन की गतिविधियों से जुड़े कर्मी ई-केवाईसी नहीं करवाने वाले लोगों को फोन कर रहे हैं और उन्हे ई-केवाईसी करने के लिए प्रेरित कर विभाग का टारगेट पूरा करने में पूरी मदद कर रहे हैं। अपने दर्द को भुलाकर कर्मी करने में जुटे हुए हैं।

कई दुकानों में वर्षों से लंबित है भुगतान

राशन दुकान संचालकों का कहना है कि केवल मासिक राशन वितरण का कमीशन ही नहीं, बल्कि वर्ष 2022 से पूरक पोषण आहार, आंगनबाड़ी केंद्रों को चावल वितरण, मध्याह्न भोजन योजना के लिए चावल वितरण तथा अमृत नमक वितरण से संबंधित कमीशन का भुगतान भी अब तक नहीं किया गया है। ब्लॉक की लगभग एक दर्जन दुकानों में स्थिति और गंभीर बताई जा रही है, जहां वर्षों से विभिन्न मदों का भुगतान लंबित है।

शासन का दबाव, लेकिन भुगतान पर ध्यान नहीं

दुकान संचालकों का कहना है कि शासन-प्रशासन की ओर से राशन वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाती। समय पर खाद्यान्न वितरण, स्टॉक का सही रखरखाव, ऑनलाइन एंट्री, कार्डधारियों की ई-केवाईसी, शिकायतों का निराकरण और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर लगातार दबाव रहता है। अधिकारियों द्वारा नियमित समीक्षा और निरीक्षण भी किए जाते हैं। संचालकों का कहना है कि वे सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन उनके मेहनताने और कमीशन के भुगतान को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। इससे समूहों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है और कई जगहों पर सेल्समैनों को भुगतान करना भी मुश्किल हो गया है।

परिवार चलाना हो रहा मुश्किल

कमीशन नहीं मिलने के कारण कई राशन दुकान संचालकों और सेल्समैनों के सामने रोजमर्रा के खर्चों का संकट खड़ा हो गया है। उनका कहना है कि राशन दुकान से मिलने वाले कमीशन पर ही उनकी आजीविका निर्भर है। लगातार भुगतान लंबित रहने से कर्ज लेने की नौबत आ गई है। बच्चों की पढ़ाई लिखाई के खर्च से लेकर परिवार चलाने में दिक्कतें आ रही हैं।

भुगतान की मांग पर जिम्मेदार खामोश

राशन दुकान संचालकों, महिला स्व-सहायता समूहों और सेल्समैनों ने शासन से लंबित कमीशन राशि का शीघ्र भुगतान करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय पर भुगतान नहीं हुआ तो राशन वितरण व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों और समूहों की आर्थिक स्थिति और अधिक खराब हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर लंबित भुगतान जारी कराने की मांग की है। लेकिन जिम्मेदार अफसरों ने खामोशी अख्तियार कर रखी है।

बजट आया है ट्रेजरी से होगा भुगतान

राज्य शासन से दुकान संचालकों व उनसे जुड़े कर्मियों के पैसे का भुगतान जल्द हो जाएगा। बजट आ गया है और उसे हमने ट्रेजरी में भेज दिया है। यहां से उनके खाते में भुगतान चला जाएगा।

-अनुराग सिंह भदौरिया, जिला खाद्य अधिकारी

भिलाई-3 चरोदा में 9145 बच्चों को पिलाई गई दवा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई 3 चरोदा अंतर्गत डबरा पारा में राष्ट्रीय पल्स पोलियों अभियान का शुभारंभ अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, पार्षद तुलसी धूव्र की उपस्थिति में हुआ। प्रथम दिन 9145 बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई।

जन प्रतिनिधियों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई 3 में भी बच्चों को दवा पिलाई। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव और जिला आरएमएसीएच कंसल्टेंट डॉ. रश्मि भोसले ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आज जन्म लिए नवजात शिशुओं को पोलियों दवा पिलाकर पोलियों के नियमित टीकाकरण अभियान मे भी वैक्सीनेशन करने अपील की। प्राथमिक विद्यालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, यूपीएचसी चरोदा ओर समस्त आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य सुविधा केंद्र, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर पोलियों बूथ बनाए गए थे। बीईटीओ सैय्यद असलम ने कहा कि अभियान तीन दिन चलेगा। पीएचसी प्रभारी डॉ. शिखर अग्रवाल ने कहा कि कुल 10541 नवजात शिशुओं को पोलियों दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम दिन 9145 बच्चों ने दवा दी गई। इस दौरान पार्षद फिरोज फारूखी, पूर्व पार्षद व विधायक प्रतिनिधि दिलीप पटेल, रवि नाहर आदि मौजूद थे।

- डबरापारा में विधायक डोमनलाल ने किया शुभारंभ

भिलाई जिला भाजपा के कार्यकर्ताओं ने सुनी मन की बात, सांसद बघेल भी हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भारतीय जनता पार्टी भिलाई जिला के प्रभारी रामजी भारती और भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन के मार्गदर्शन में वार्ड 18, बूथ क्रमांक 94 स्थित श्री शिव मंदिर परिसर, कॉन्ट्रैक्ट कॉलोनी में रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व वार्ड 17 के पार्षद और निगम में नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने किया। इस अवसर पर लगभग 500 नागरिकों, भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक साथ कार्यक्रम का श्रवण कर प्रधानमंत्री के विचारों को आत्मसात किया।

कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल, विधायक रिंकेश सेन, शिरीष अग्रवाल, बृजेश बिचपुरी, निहारिका मिश्रा, प्रमोद सिंह, महेश वर्मा, स्वीटी कौशिक, पूर्व महापौर निर्मला यादव आदि उपस्थित थे। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोना की अनावश्यक खरीद में संयम बरतने, पुराने आभूषणों की रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने तथा विवाह और सामाजिक आयोजनों में जागरुकता अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने पेट्रोलियम उत्पादों की बचत के लिए वाहनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने का भी आह्वान किया।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम देशवासियों से सीधा संवाद स्थापित करने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। उन्होंने सभी नागरिकों से प्रधानमंत्री के संदेशों को अपने जीवन में अपनाकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए भर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

दुर्ग। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा सत्र 2026-27 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति कक्षा 12वीं से उच्चतर हेतु ऑनलाइन पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना के तहत आवेदन विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन किए जाएंगे।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्रवृत्ति के नवीनीकरण आवेदन के लिए पोर्टल 20 जून से तथा नवीन आवेदनों के लिए 1 अगस्त से प्रारंभ किया जाएगा। विद्यार्थी निर्धारित समय-सीमा के भीतर विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। नवीनीकरण आवेदनों की अंतिम तिथि 30 जून तथा नवीन आवेदनों की अंतिम तिथि 30 अगस्त निर्धारित की गई है। प्राप्त आवेदनों का परीक्षण एवं स्वीकृति निर्धारित समयावधि में संस्थाओं एवं जिला स्तर पर किया जाएगा, ताकि छात्रवृत्ति राशि का वितरण जनवरी 2027 तक पूर्ण किया जा सके। योजना के तहत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के पालकों की वार्षिक आय सीमा 2.50 लाख रुपये तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए 1 लाख रुपये निर्धारित है। आवेदन के लिए स्थायी जाति प्रमाण पत्र, छत्तीसगढ़ का मूल निवास प्रमाण पत्र, पिछले वर्ष की अंकसूची एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य होंगे। विद्यार्थी आवेदन करते समय अपने आधार सीडेड एवं सक्रिय बैंक खाते की जानकारी सही-सही दर्ज करें। छात्रवृत्ति राशि पीएफएमएस के माध्यम से सीधे विद्यार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाएगी। वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को एनएसपी पोर्टल से ओटीआर वन टाईम रजिस्ट्रेशन प्राप्त करना आवश्यक है।

पीएम आवास को यदि किराये पर दिया तो होगी सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सरस्वती नगर, मां कर्मा बोरसी एवं गोकुल नगर में एएचपी घटक के तहत निर्मित आवासों के आवंटन की प्रक्रिया की गई। आकर्षक एवं किफायती दरों पर

- 15 हितग्राहियों को लॉटरी से मिला अपना घर

निर्मित इन आवासों को लेकर नागरिकों में उत्साह देखा जा रहा है तथा बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। निगम द्वारा प्रत्येक माह प्राप्त आवेदनों के आधार पर लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से आवासों का आवंटन किया जा रहा है। इसी क्रम में गोकुल नगर के 1, सरस्वती नगर के 9 तथा मां कर्मा बोरसी के 5 आवासों के लिए प्राप्त कुल 15 आवेदनों का लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया।

महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, पार्षद सरिता चंद्राकर तथा कार्यपालन अभियंता सुश्री विनिता वर्मा की उपस्थिति में लॉटरी प्रक्रिया सम्पन्न कर हितग्राहियों को आवास आवंटित किए। लॉटरी प्रक्रिया में प्रत्येक हितग्राही ने स्वयं पर्ची निकालकर अपने आवास का चयन किया। निगम प्रशासन ने बताया कि आवास की सम्पूर्ण राशि जमा करने के पश्चात हितग्राहियों को आधिपत्य पत्र प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने निर्देश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित मकानों में केवल पात्र हितग्राही ही निवास करेंगे। यदि कोई हितग्राही आवास को किराये पर देता हुआ पाया गया तो निगम द्वारा आवंटन निरस्त करते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान दीपक संचेती, टिकेश्वर दास साहू सीएलटीसी, रामदास साहू सहायक ग्रेड-03 सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संवाद कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री यादव ने युवाओं से किया संवाद

समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति हैं युवा

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के मंडल पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ रविवार को सेवा सदन में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंत्री गजेन्द्र यादव ने युवाओं से संगठन को और अधिक सशक्त व प्रभावी बनाने, शहर के विकास, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विभिन्न समसामयिक तथा राजनीतिक विषयों पर चर्चा की। इस दौरान युवाओं ने भी अपने विचार, सुझाव और अनुभव साझा किए।

- सेवा सदन दुर्ग में हुआ आयोजन

मंत्री यादव ने कहा कि युवा समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति हैं। संवाद के दौरान युवाओं के सुझावों, अपेक्षाओं एवं प्रश्नों को गंभीरता से सुना तथा सरकार के कार्यों, नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए उनके प्रश्नों का उत्तर दिया।

संगठन में भी भागीदारी निभाएं युवा

केबिनेट मंत्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन सरकार की जनहितैषी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी साझा करते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं। साथ ही उन्होंने युवाओं से संगठन की मजबूती, सामाजिक दायित्वों के निर्वहन तथा विकसित, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने का आग्रह किये। उन्होंने कहा कि युवा और महिलाएं समाज में जागरूकता के सबसे प्रभावी माध्यम हैं।

जिले में 4 विकास कार्यों के लिए 33 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जिले में जनहित के 4 विभिन्न विकास कार्यों के लिए कुल 33 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। लोकसभा सांसद विजय बघेल द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यों का संपादन संबंधित क्रियान्वयन एजेंसियों द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इसके तहत ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दुर्ग द्वारा 28 लाख रूपए की लागत से 3 विकास कार्य कराए जाएंगे, जिसमें सिविल लाइन दक्षिण जलाराम सांस्कृतिक भवन के पास भवन निर्माण हेतु 10 लाख रूपए, वार्ड 52 गणपति विहार कॉलोनी माता कमला देवी उद्यान बोरसी पश्चिम में मंच निर्माण हेतु 10 लाख रूपए तथा पोटियाकला में शिवाजी मूर्ति के पास भवन निर्माण कार्य के लिए 8 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार, जनपद पंचायत पाटन के अंतर्गत ग्राम रूही में प्रतीक्षालय शेड निर्माण कार्य हेतु 5 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसका क्रियान्वयन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पाटन द्वारा किया जाएगा।

खबर संक्षेप

शाला प्रवेशोत्सव में बच्चों का किया भव्य स्वागत

अंडा। शासकीय प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला चंदखुरी में नवीन शिक्षा सत्र के शुभारंभ पर शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच कविता यादेश ठाकुर, जनपद सदस्य गोपाल यादव, पूर्व उपसरपंच जितेंद्र यादव, पंच ऊषा दुर्गेश साहू, नूतन निर्मलकर, संजय बघेल, राकेश गायकवाड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही अभिभावकों से भी अपील की गई कि वे अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दें। विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अमेरी स्कूल के चार विद्यार्थियों ने दर्ज की उल्लेखनीय सफलता

सेलूद। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय अमेंरी से 2026 में 3 विद्यार्थियों का राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में और एक छात्रा का श्रेष्ठा परीक्षा में चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों का नाम साहित्य धीवर, चिन्नापाल, खेमलता ठाकुर और सिमरन कौशले है। विगत पांच वर्षों में इस विद्यालय से अब तक 24 विद्यार्थियों का विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन हो चुका हैं जो कि पाटन ब्लॉक में श्रेष्ठ प्रदर्शन है। चयनित विद्यार्थियों को प्रणव शर्मा , भूषण लाल भारद्वाज , दिनेश नेताम , देवलाल पटेल, मुकेश वर्मा , रश्मि वर्मा, खिलेश वर्मा, प्राथमिक विद्यालय के अरुण कुमार मरकाम , आदित्य नारायण वर्मा, टिकेशवरी वर्मा, साखीराम साहू, वीरेंद्र यादव , शिव वर्मा, मनीष कौशले, कोमल यादव , परमेश्वरी कौशले,डिंपल ठाकुर ने उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

निधन

आर एस दांडेकर

भिलाई। उत्तर वसुंधरा नगर

भिलाई 3 निवासी सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी आरएस दांडेकर का 92 वर्ष का 28 जून को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा निवास स्थान से 29 जून को दोपहर 12 बजे निकलेगी। अंतिम संस्कार उम्दा रोड मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश दांडेकर एवं राजेश दांडेकर पूर्व पार्षद के पिता थे।

विष्णु अग्रवाल

भिलाई। खुर्सीपार निवासी 53 वर्षीय विष्णु अग्रवाल का निधन 28

जून को हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 29 जून को सुबह 10.30 बजे निवास से खुर्सीपार मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे रतनलाल अग्रवाल के पुत्र, रोशन लाल , लक्ष्मी नारायण, महेश, नरेश, संजय, विनय के भाई, केशरमल, हजारीलाल अग्रवाल के भतीजे थे।

मिट्ठू लाल साहू

दुर्ग। गया नगर दुर्ग निवासी मिट्ठू

लाल साहू का निधन रविवार को हो गया। उनका अंतिम संस्कार 29 जून को उरला मुक्तिधाम में किया जाएगा । वे संतोष व शकुन्तला साहू के पिता थे ।

अंधा मोड़ और जर्जर सड़क दे रही दुर्घटना को न्यौता, विभाग मौन

स्कूली बच्चों सहित राहगीरों की जान पर मंडरा रहा खतरा, सुशासन तिहार में भी शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ निकुम/अंडा

निकुम में लगभग 13 किमी की सड़क लोक निर्माण विभाग के तत्कालीन मंत्री ताम्रध्वज साहू के प्रयास से बनी लेकिन यह सड़क हादसों की वजह बन रही

- मामला निकुम में बनी 13 किलोमीटर सड़क का, ग्रामीणों को राहत का इंतजार

है। यहां विनायकपुर गांव में तकरीबन डेढ़ किमी की अधूरी सड़क को लोक निर्माण विभाग दुर्ग ने 38 लाख की लागत से सीसी सड़क बना दिया है,

जिससे आमजनों व राहगीरों को राहत मिली लेकिन विनायकपुर अंधे मोड़ की 100 मीटर की अधूरी सड़क नहीं बनाने से हादसों का जोखिम बढ़ गया है। बरसात में बारिश के बाद सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढे और जलभराव के कारण अंधे मोड़ पर हादसे का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी मार्ग से प्रतिदिन स्कूल बस सहित सैकड़ों वाहन गुजरते हैं, लेकिन सड़क की बदहाल स्थिति के कारण लोगों को भारी परेशानी और दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र सड़क मरम्मत की मांग की है। लोगों की मांग है कि समय रहते सड़क को पी डब्ल्यू डी विभाग दुर्ग और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि मरम्मत करवाएं। अंडा से विनायकपुर,आमटी, निकुम से अर्जुन्दा, बालोद, डोगरगांव सहित राजनांदगांव के लिए वाहन गुजरते हैं और हमेशा हादसों का खतरा बना रहता है। भाजपा के सुशासन तिहार में भी खराब सड़क को बनाने की मांग की जा चुकी है।

राष्ट्रीय अभियान में जिले की सक्रिय भागीदारी रही

ग्रामीण अंचल में नौनिहालों ने पी जिंदगी की दो बूंद, आज से देंगे घर-घर दस्तक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुम्हारी

राष्ट्रीय पल्स पोलियो दिवस पर उत्साह का माहौल

रविवार को शासकीय कन्या शाला बाजार चौक में नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा ने बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाई।

इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग कुम्हारी के स्टाफ एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। उन्होंने जानकारी साझा करते हुए बताया कि को कन्या शाला में पल्स पोलियो आयोजित हैं आगे सोमवार से घर घर जाकर हमारे स्वास्थ्य विभाग तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मितानिन बहनों द्वारा बच्चों को दो दिनों तक पोलियो ड्रॉप की दवा पिलाई जाएगी।

पल्स पोलियो अभियान

उतई। नगर पंचायत उतई में पल्स पोलियो अभियान के तहत 0से लेकर 5 साल तक बच्चों को पल्स पोलियो की दवाई पिलाई गई इस अभियान में नगर पंचायत उतई लोक निर्माण प्रभारी सोनू राजपूत ने शामिल होकर अभियान की शुरुवात की। उन्होंने सभी माता पिता से अपने 0 से लेकर 5 साल तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने की अपील की।

दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत रहे बरकरार का दिया संदेश

उतई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मचांदूर,घूघसीडीह और खोपली में भाजपा उतई मंडल के महामंत्री प्रवीण कुमार यदु ने पल्स पोलियो की खुराक पिलाई और अभिभावकों से अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से दवा पिलाने की अपील की।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि उतई ब्लॉक में 3 दिन तक बूथ स्तर पर और उसके बाद 2 दिन घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को खुराक पिलाई जाएगी।

सरपंच ने पल्स पोलियो पिलाकर अभियान किया शुरू

सेलूद। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर सेलुद के अंतर्गत रविवार को सुभाष चौक सेलुद मे पल्स पोलियो की दवा पिलाई गई। इस अवसर पर सरपंच खिलेश मारकंडे, संजय यादव, रोहित शिवारे, इंद्राणी वर्मा, ग्राम सभा अध्यक्ष सुरेन्द्र बंछोर, स्वास्थ्य विभाग से वंदना चौधरी, आँगन बाडी कार्यकर्ता गायत्री बंछोर और मितानिन सुनीता कुर्रे सहित अन्य उपस्थित थे।

पल्स पोलियो की खुराक पिलाई

जामुल। शासकीय प्राथमिक शाला रावण भाटा जामुल में वार्ड नंबर 5,6,7,9 के लगभग 350 बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक दी गई। वार्ड - 5 गणेश नगर जामुल के पार्षद दीपक गुप्ता ने क्षेत्र के नागरिकों से भागीदारी की अपील की है। यह शिविर 3 दिन चलेगा। रविवार को स्कूल परिसर में पल्स पोलियो की खुराक दी गई है,उसके बाद जो भी लोग स्कूल में नहीं आ पाएंगे तो मितानिन बहनों के द्वारा उनके घर-घर जाकर पोलियो ड्रॉप पिलाया जाएगा। इस अवसर पर वार्ड के पार्षद गण और सभी मितानिन बहनें प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

निकुम टेनिस बॉल क्रिकेट में ग्रामीण खिलाड़ी दिखा रहे प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

ग्राम निकुम पुरानी बस्ती में वतन क्रिकेट क्लब एवं क्षेत्रवासियों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन पूर्व जनपद सभापति टिकेश्वरी लाल देशमुख, दुर्ग ग्रामीण युवा नेता विक्की मिश्रा ने फीता काटकर किया और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

- विक्की बोले खेलों से दूर होगी मोबाइल की लत

उद्घाटन समारोह में विक्की मिश्रा ने कहा कि आज के समय में बच्चे मोबाइल की लत में अधिक समय बिता रहे हैं, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है। ऐसे खेल आयोजनों से बच्चों और युवाओं को एक सकारात्मक मंच मिलता है, जहां वे अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं और अनुशासन, टीम भावना व संघर्ष की सीख ले सकते हैं।

पूर्व जनपद सभापति टिकेश्वरी लाल देशमुख ने कहा कि प्रतियोगिता में क्षेत्र की कई टीमों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पहले ही दिन खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया। आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों से खेल भावना और नियमों का पालन करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने की अपील की है।

इस प्रतियोगिता में 15 वर्ष तक के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का जौहर दिखा रहे हैं। युवा खिलाड़ियों में जीत का जुनून और खेल के प्रति समर्पण साफ नजर आ रहा है। आयोजकों द्वारा विजेताओं के लिए आकर्षक नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफियों की घोषणा की गई है। प्रथम पुरस्कार 3001 रुपये, द्वितीय 2001 रुपये, तृतीय 1001 रुपये और चतुर्थ 501 रुपये रखा गया है। इसके अलावा मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट ऑलराउंडर और बेस्ट दर्शक को भी विशेष पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

आयोजन समिति ने बताया कि प्रतियोगिता को सफल बनाने में ग्रामीणों का भरपूर सहयोग मिल रहा है और आगामी दिनों में और भी रोमांचक मुकाबलों के साथ दर्शकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। यह आयोजन गांव के बच्चों और युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करने का एक अच्छा माध्यम बन रहा है। प्रतियोगिता के संचालन में कप्तान देवेन्द्र कुमार धनकर, उपकप्तान सोहन साहू सहित समिति के सभी सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

चंदखुरी में बोर खनन कार्य का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

ग्राम पंचायत चंदखुरी में जिला पंचायत सदस्य आशा विक्की मिश्रा ने 15वें वित्त आयोग की मद से वार्ड क्रमांक 18, 19 और 20 में प्रस्तावित बोर खनन कार्य का भूमिपूजन किया। इस पहल का उद्देश्य वार्डवासियों को पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना और जल संकट की समस्या का समाधान करना है।

भूमिपूजन कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की सरपंच कविता यादेश ठाकुर, वार्ड 19 की पंच ऊषा दुर्गेश साहू, वार्ड 18 की पंच ऊषा राजू निर्मलकर, पूर्व सभापति जनपद पंचायत दुर्ग टिकेश्वरी देशमुख सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और वार्डवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य आशा विक्की मिश्रा ने कहा कि क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का विकास उनकी प्राथमिकता है और पेयजल जैसी आवश्यक समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने भी इस कार्य के लिए जनप्रतिनिधियों का आभार जताया।

सुनी मन की बात, कार्यकर्ता का सम्मान भी हुआ

सेलूद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष कार्यक्रम मन की बात की 135 कड़ी घुघुवा शक्ति केंद्र के अंतर्गत ग्राम करगा बूथ क्रमांक 72 में सुनी गई। इस दौरान बूथ के सक्रिय कार्यकर्ता का सम्मान भी किया गया। इसमें उपस्थित होने वाले शक्ति केंद्र प्रभारी हर प्रसाद आडिल, अशोक वर्मा, नरसिंह वर्मा, तेजराम साहू, फुलेश्वरी साहू, मनीराम वर्मा, कौशल्या वर्मा, गीतांजलि, पंच इंदिरा वर्मा, नरेश साहू, बुलाकी साहू, सागर वर्मा, गीतांजलि आडिल व गोकरण वर्मा सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता जन उपस्थित थे।

जनभागीदारी और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है मन की बात : विधायक ललित

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

विधायक ललित चंद्राकर ने रविवार को धनोरा स्थित बूथ क्रमांक 199 में भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

- विधायक चंद्राकर ने कार्यकर्ताओं संग सुना मन की बात

लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें संस्करण को सामूहिक रूप से सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के करोड़ों लोगों को सकारात्मक सोच और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने वाला सशक्त मंच है। तुलसी पैलेस, धनोरा में आयोजित कार्यक्रम में विधायक

ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम के माध्यम से देशभर में हो रहे नवाचार, जनभागीदारी और प्रेरणादायी कार्यों को सामने लाते हैं। इससे नागरिकों को समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका निभाने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने बताया कि इस बार प्रधानमंत्री ने आगामी गणेशोत्सव के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमा स्थापित करने का आह्वान किया। साथ ही प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा के महत्व को भी रेखांकित किया। वर्षा जल संरक्षण पर बल देते हुए जल संचय को जन आंदोलन बनाने की अपील भी की गई।

विधायक चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मेघालय के जीवित रूट ब्रिज का उल्लेख करते हुए प्रकृति और मानव के अद्भुत समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं असम की महिलाओं द्वारा दुर्लभ पक्षी हरगिला के संरक्षण के लिए चलाए जा रहे अभियान को जनजागरूकता का प्रेरक उदाहरण बताया। कार्यक्रम में नागालैंड में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने वाली पहल, नालंदा विश्वविद्यालय और सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, तथा विदेशों में भारतीय संस्कृति के बढ़ते प्रभाव जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। इस दौरान जिला महामंत्री दिलीप साहू, किसान मोर्चा जिला प्रभारी बिलास तुषार, रोहित राजपूत, उपाध्यक्ष विनोद चंद्राकर, उतई नगर पंचायत अध्यक्ष सरस्वती साहू, उतई मंडल अध्यक्ष शीतला ठाकुर, सोसाइटी अध्यक्ष फलेंद्र सिंह राजपूत, धनोरा सरपंच रुलेश्वरी बंजारे, पूर्व सरपंच चंद्रशेखर बंजारे, पार्षद संगीत रजक आदि उपस्थित थे।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स मे आकर्षक उपहार एवं डिस्काउंट

दुर्ग। दुर्ग ओम ज्वैलर्स शहर के हृदय स्थल में स्थित इंदिरा मार्केट दुर्ग शॉप नंबर 64 b प्रिया सिंगर सदन के सामने ओम ज्वैलर्स अपने भाव शोरूम के लिए जाना माना है। जहां आपको अनगिनत डिजाइन देखने को मिलता है। श्री सोनी ने बताया सोने की बढ़ती हुई महंगाई को देखते हुए मासिक ई योजना चालू किए हैं जिसमें 1000 से लेकर आपके बजट तक हर महीना का किस्त जमा कर सकते हैं। 12 महीने की रेगुलर किस्त जमा होने पर आपको एक महीने की किस्त ज्वेलर्स के द्वारा दी जाती है। सोनी ने बताया कि पैसा लाने ले जाने का जोखिम को देखते हुए घर पहुंच सेवा उपलब्ध किया गया है जिसमें अपनी पसंद की डिजाइन को खरीद कर पेमेंट आप घर से भी कर सकते हैं। इसके अलावा टोटल ऑनलाइन, चेक, एटीएम, डेबिट कार्ड एक्सेप्ट किया जाता है। सोनी ने बताया कि पुराने गहने को बिल्कुल नया बनाये वो भी बिना वजन घटे। ज्वेलरी की रिपेयरिंग की तत्काल सुविधा उपलब्ध है आगे दिवाली, त्यौहार सीजन को देखते हुए नई-नई डिजाइनों की विस्तार रेंज उपलब्ध है जिसमें ग्राहक अपने मनपसंद डिजाइन बुकिंग कर पसंद की जेवर शुभ मुहूर्त पर ले जाएं। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि हमारे यहां टोटल 916 (22 कैरेट)833 (20कैरेट)एवं 750(18कैरेट) के टोटल हॉलमार्क गहने उपलब्ध है। जिसमें भारत सरकार के द्वारा 6 अंकों का डिजिट कोड एच यू आईडी अंकित किया मिलेगा पूरे शहर में सबसे कम दाम पर उपलब्ध हैं जिसमें 0% चांदी की मेकिंग चार्ज एवं सोने पर जितना सोना उतना चांदी फ्री एवं न्यूनतम मजदूरी दर के साथ ग्राहकों को उपलब्ध किया जाता है। शादी के गहने की खरीदी पर दूल्हा एवं दुल्हन को स्पेशल टूरिस्ट बैग, इंपॉर्टेंट वॉच, जीतना सोना उतना चांदी फ्री ओम ज्वेलर्स की तरफ से प्रदान किया जाता है। हमारी शॉप में हमेशा ग्राहकों का अच्छी भीड़ रहती है। नए-नए डिजाइनों का हमेशा कलेक्शन उपलब्ध रहती है इसलिए आपको हमेशा लेटेस्ट फ्रेश डिजाइन व नई वैरायटी उपलब्ध रहती है। आप एक बार शॉप अवश्य पधारे।

सेक्टर 9 हास्पिटल के निजीकरण के खिलाफ अब बड़े जनांदोलन का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

आज से जनसंपर्क अभियान शुरु, संयुक्त ट्रेड यूनियन की अहम बैठक में निर्णय, कहा- कार्पोरेट के हाथों सौंपने से हो जाएगा महंगा इलाज

संयुक्त ट्रेड यूनियन द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र के सेक्टर 9अस्पताल को निजीकरण के खिलाफ व्यापक जनांदोलन करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए जनता को जागरुक करने के लिए सोमवार से जनसंपर्क अभियान शुरु किया जाएगा। इस दौरान शहरवासियों को जनहित में इस अस्पताल का निजीकरण के खिलाफ आंदोलन में साथ देने की अपील की जाएगी।

संयुक्त ट्रेड यूनियनों इंटक, एटक, ऐक्टू, सीटू, एचएमएस, लोईमू एवं स्टील वर्कर्स यूनियन की हुई महती बैठक में बीएसपी प्रबधन के निजीकरण के कदम को जनविरोध बताया गया। बैठक में अस्पताल को सार्वजनिक क्षेत्र में बनाए रखने के लिए व्यापक जनआंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया।

यूनियनों ने कहा कि यह संघर्ष केवल कर्मचारियों का नहीं, बल्कि लाखों नागरिकों के स्वास्थ्य और जनहित की रक्षा का संघर्ष है। जनांदोलन को सफला बनाने विभिन्न विभागों, टाउनशिप, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की बस्तियों तथा आम जनता के बीच व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान पर्चे वितरित किए जाएंगे, सभाएं आयोजित होंगी तथा लोगों को अस्पताल के निजीकरण के संभावित दुष्परिणामों से अवगत कराया जाएगा।

जनता के स्वास्थ्य पर हमला

संयुक्त ट्रेड यूनियनों ने कहा कि बीएसपी के अस्पताल वर्षों से कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों और आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता रहा है। यदि इसका संचालन निजी या कॉरपोरेट हाथों में सौंपा गया तो इलाज महंगा होगा, कर्मचारियों और पेंशनरों की स्वास्थ्य सुरक्षा प्रभावित होगी तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं का चरित्र कमजोर पड़ेगा। यूनियनों ने अस्पताल के निजीकरण, लीज अथवा कॉरपोरेट प्रबंधन को सौंपने की किसी भी प्रक्रिया का

14 जुलाई को विशाल प्रदर्शन का आह्वान

बैठक में निर्णय लिया गया कि 14 जुलाई को सेक्टर-9 अस्पताल के मुख्य द्वार पर संयुक्त ट्रेड यूनियनों के नेतृत्व में विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन में कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों, उनके परिवारों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की गई। यूनियनों ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे निजीकरण के खिलाफ इस संघर्ष का हिस्सा बनें और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की रक्षा के लिए आगे आएं।

खबर संक्षेप

आज बंद रहेंगे सभी मांस दुकानें और पशु वध गृह

दुर्ग। सोमवार 29 जून को कबीर जयंती के अवसर पर नगर निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र के अंतर्गत संचालित सभी पशु वध गृह और मांस विक्रय की दुकानों को पूर्णतः बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासन के निर्देशों के अनुरूप उक्त दिवस पर किसी भी प्रकार का पशु वध अथवा मांस विक्रय की अनुमति नहीं होगी। यदि कोई संचालक आदेश का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

रेल व स्ट्रक्चरल मिल में नया लैंडिंग प्लेटफॉर्म लोकार्पित

भिलाई। बीएसपी की रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल (आरएसएम) में कार्यस्थल सुरक्षा और परिचालन सुविधा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत बीसी बे, हॉट सॉ पल्पिट नं.-9 के समीप क्रेन ऑपरेटरों के लिए नए लैंडिंग प्लेटफॉर्म का लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक बीएसपी के सीजीएम तीर्थंकर दस्तिदार थे । जीएम महाप्रबंधक अरविंद टंडन, एनके खरे, प्रशांत खोंड, महाप्रबंधक प्रशांत लाखे, आरके राजधर, डीजीएम आरके पवार, विक्रम वर्मा, एजीएम (मैकेनिकल) आलोक श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। पूर्व में इस स्थान पर स्थापित लैंडिंग प्लेटफॉर्म क्षतिग्रस्त एवं अनुपयोगी हो चुका था, जिसके कारण क्रेन तक सुरक्षित पहुंच संभव नहीं थी । क्रेन की बार-बार री-पोजिशनिंग करनी पड़ती थी। इससे परिचालन के दौरान सुरक्षा संबंधी चुनौतियां उत्पन्न होती थीं। समस्या की पहचान रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल के यांत्रिक विभाग द्वारा की गई।

अनुभवी एजेंसी के नाम पर ठेका, काम कर रहे अनुभवहीन ठेकेदार

घटिया निर्माण और लापरवाही की भेंट चढ़ रहा पांच करोड़ का स्वीमिंग पूल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

बना दिया गलत दिशा में स्वीमिंग पूल, तैराकों को होगी परेशानी

भिलाई नगर निगम शहर के विकास और सुविधा के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च कर रहा है, लेकिन विभागीय जिम्मेदारों द्वारा इस पर ध्यान नहीं देने से ये पैसे बर्बाद हो रहे हैं। ताजा उदाहरण भिलाई निगम द्वारा प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम में 4.93 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा स्वीमिंग पूल है। निगम ने इस पूल को बनाने के लिए अनुभवी एजेंसी हायर की थी। कई बार टेंडर रद्द होने के बाद अनुभवी एजेंसी के नाम पर दूसरे ठेकेदार ने काम तो लिया, लेकिन हकीकत यह है कि उनके पास अब तक स्वीमिंग पूल बनाने का कोई अनुभव नहीं है। इसका खामियाजा यह दिख रहा है कि एक स्वीमिंग पूल की दिशा गलत हो गई है, साथ ही जो बेस बनाया गया है वो अभी से क्रैक हो रहा है। इस घटिया बेस ढलाई के साथ निगम इस पूल में कैसे नेशनल और बड़े आयोजन करेगा यह समझ से परे है।

वर्तामान स्थिति की बात करें तो ठेकेदार ने पूल की खुदाई कर डाली है और नीचे का बेस ढलाई का कार्य भी हो गया है। बेस ढलाई हुए अभी कुछ दिन ही हुए हैं कि उसमें दरारें दिखने लगी हैं। जहां स्वीमिंग पूल बन रहा है वहां काली मिट्टी है, इसलिए पहले बेस का ट्रीटमेंट किया जाना जरूरी थी वह नहीं किया गया। निगम के इंजीनियर भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

निगम के नेता प्रतिपक्ष भेजराज सिन्हा का कहना है कि राज्य सरकार दुर्ग भिलाई सहित पूरे राज्य में विकास के लिए संवेदनशील है, लेकिन अधिकारी सरकार के द्वारा दिए जा रहे पैसों का दुरुपयोग कर रहे हैं।

अधिकारियों को चाहिए कि वो निर्माण की गुणवत्ता की मॉनीटरिंग करें, लेकिन उनके द्वारा कार्य को देखने का समय ही नहीं है। ठेकेदार मनमाने तरीके से सीमेंट और लोहे की चोरी करते हुए काम कर रहे हैं। इसका खामियाजा यह दिख रहा है कि जो भी निर्माण हो रहे हैं वो कुछ दिन बाद ही खराब हो रहे हैं।

मानकों का नहीं हो रहा पालन

बन रहे स्वीमिंग पूल के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने के साथ ही इसकी दिशा को लेकर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। स्विमिंग एक्सपर्ट्स की माने तो खुले स्विमिंग पूल उत्तर-दक्षिण दिशा में बनाए जाते हैं। इस व्यवस्था से सुबह-शाम सूर्य की किरणें सीधे तैराकों की आंखों पर नहीं पड़ती। प्रियदर्शिनी परिसर में जो पूल बन रहा है वो पूर्व-पश्चिम दिशा में बनया जा रहा है, जिससे खिलाड़ियों को प्रैक्टिस करने और यहां तक की आयोजन के समय भी दिक्कत हो सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार प्रोजेक्ट में मानकों का पालन जरूरी है। दिशा में कमी भविष्य में खिलाड़ियों की प्रैक्टिस और प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती है। गलत दिशा में बने पूल में न तो सही ढंग से अभ्यास हो सकेगा, न ही नेशनल स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित हो पाएंगी।

डुबान क्षेत्र में निर्माण होने से होगी बड़ी समस्या

प्रियदर्शिनी परिसर के जिस भाग में स्वीमिंग पूल बनाया जा रहा है वो डूब क्षेत्र में आता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में यहां अक्सर पानी भर जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना मुरुम या डस्ट फिलिंग किए सीधे खुदाई कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। अगर पहले जमीन की ऊंचाई नहीं बढ़ाई गई, तो बारिश के दौरान यह पूरा क्षेत्र तालाब जैसी स्थिति में बदल सकता है, जिससे निर्माण कार्य और उपयोग दोनों प्रभावित होंगे।

जिम्मेदारों के खिलाफ करेंगे शिकायत

करीब पांच करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे इस पूल में भारी अनियमितता और लापरवाही सामने आई है। कोच से बात करने पर पता चला कि पहले तो पूल का डिजाइन ही गलत बना है। यह मानकों के विपरीत है। यदि इसी तरह मनमाने तरीके से निर्माण जारी रहा तो शासन के 5 करोड़ रुपए पानी में डूबकर रह जाने वाले हैं।

-भोजराज सिन्हा, नेता प्रतिपक्ष भिलाई नगर निगम

अनियंत्रित मिक्सर मशीन पलटी, चालक फंसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

अनियंत्रित होकर मिक्सर मशीन अचानक पलट जाने से चालक बुरी तरह वाहन में फंस गया था। सूचना पर उसे रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। मिली जानकारी के मुताबिक थनोद रोड पर अनियंत्रित होकर पलटी मिक्सर मशीन सीजी 7 सीजेड 6051 में चालक गंभीर रूप से फंस गया था। जिसे चौकी अंजोरा पुलिस की टीम ने मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलने पर चौकी प्रभारी चंद्रशेखर सोनी अपनी टीम के साथ पहुंचे थे। चालक को सुरक्षित बाहर निकाल कर उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की तुरंत मानवीय कार्यवाई की सराहना कर एसपी दुर्ग का रेस्क्यू टीम व सहयोगी की प्रशंसा किया। पुलिस टीम ने बिना विलंब किए ग्रामीणों, नागरिकों के सहयोग से राहत और बचाव कार्य शुरु प्रारंभ किया। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील करती है कि सड़क हादसों अथवा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तुरंत पुलिस एवं आपातकालीन सेवाओं को दें।

गांजा तस्कर पुलिस की गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

गांजा तस्करी करने वाले दो युवको को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पुलिस ने डेढ़ लाख रुपए का गांजा जब्त किया है। धमधा पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर ग्राम घोटा पेट्रोल पम्प धमधा से ग्राम शिवकोकड़ी चौकी लिटिया बोरी निवासी मनीराम ठाकुर , भाठा कोकड़ी धमधा ढाल सिंह यादव को पकड़ा गया। दोनों के पास से पुलिस ने 3.100 किलोग्राम गांजा, एक्टिवा सीजी 07 डीडी 0132, दो मोबाइल जब्त किया गया। दोनों आरोपी वाहन से ग्राहक की तलाश में खडे थे। पुलिस पूछताछ में बताया गया कि गांजा को बेचने की फिराक में ग्राहक की तलाश में थे। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस के तहत जुर्म दर्ज किया है। जब्त सामान की कीमत 2.40 लाख रुपए आंकी गई है।

पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों को कम करने की मांग को लेकर माकपा ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में कमी की मांग को लेकर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की दुर्ग जिला सांगठनिक समिति द्वारा सेल परिवार चौक, सिविक सेंटर में प्रदर्शन किया गया।

ऊर्जा बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जारी गिरावट को देखते हुए माकपा ने केंद्र सरकार से मांग की है कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ी हुई कीमतों में तत्काल कमी की जाए। साथ ही किसानों को उर्वरकों, विशेषकर यूरिया, की पर्याप्त एवं समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी सरकार आवश्यक कदम उठाए। माकपा ने कहा कि आम जनता पर महंगाई का बोझ डालने और उसका भार तेल विपणन कंपनियों को हस्तांतरित करने के बजाय, यदि सरकार को किसी राजस्व हानि की भरपाई करनी है तो वह प्रतिभूति लेनदेन कर, पूंजीगत लाभ कर तथा अन्य वित्तीय उपायों के माध्यम से संसाधन जुटा सकती है। शेयर बाजार में हाल के उतार-चढ़ाव को देखते हुए ऐसे कदम आवश्यक हैं। सामाजिक योजनाओं के लिए संसाधन जुटाने का बोझ आम जनता पर डालने के बजाय, बाजार में हेरफेर कर त्वरित लाभ कमाने वालों पर डाला जाना चाहिए। पार्टी नेताओं ने कहा किजब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही थीं, तब सरकार और तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने में देर नहीं लगाई। लेकिन अब जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई है।

गैस सिलेंडर भी लगातार महंगा

ज्ञापन में बताया कि फरवरी 2026 से घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कई चरणों में वृद्धि की गई। मार्च में 50 -60 रुपए तथा जून में 29 प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हुई। इससे घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत940 से 1013.50 रुपए तक पहुंच गई। वहीं व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कीमतों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिसका सीधा असर होटल, ढाबों तथा छोटे व्यवसायों पर पड़ा। परिवहन महंगा होने के कारण आपूर्ति श्रृंखला के प्रत्येक स्तर पर लागत बढ़ जाती है, जिससे महंगाई केवल अनुपातिक रूप से नहीं बल्कि कई गुना प्रभाव के साथ बढ़ती है। इसका परिणाम खाद्य पदार्थों, रसोई के खर्च तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के रूप में सामने आता है।

विधायक नहीं पहुंचे तो नहीं पिलाई पोलियो की दवा, डॉक्टर को फटकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस एनआईडी के तहत जिले में रविवार से पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत हुई है। सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला में बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाया गया। यहां वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने अभियान की शुरूआत करने की सहमति दी थी। उन्होंने सिविल सर्जन से कहा कि वो 12 बजे वहां पहुंचेंगे, लेकिन किसी कारण से वो 40 मिनट देरी से पहुंचे। इस बीच विधायक जी नाराज न हो जाएं यह सोचकर सिविल सर्जन डॉ. पीयाम सिंह ने बच्चों और उनकी माताओं व परिजनों को को पोलियो की दवा के लिए इंतजार करा दिया। जब विधायक रिकेश सेन वहां पहुंचे और बच्चों की भीड़ देखी तो डॉ. पीयाम सिंह पर नाराजगी जताई और कहा कि इतने बच्चों को क्यों रोककर रखा। एक बच्चे को भी वो पोलियो ड्रॉप पिलाते वहीं पर्याप्त है।

जानकारी के अनुसार सुबह से अस्पताल में शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही थी। बड़ी संख्या में माता-पिता अपने बच्चों को लेकर अस्पताल पहुंचे थे। इस अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में विधायक रिकेश सेन को शामिल होना था। उन्होंने दोपहर 12 बजे पहुंचने की सूचना दी थी। अस्पताल प्रबंधन ने जनप्रतिनिधि के हाथों बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने की योजना बनाई थी। विधायक 40 मिनट देरी से पहुंचे तो अस्पताल में बच्चों को 40 मिनट तक दवा ही नहीं पिलाई गई। बच्चों व उनके परिजनों को इंतजार करने के लिए कहा गया। भीषण गर्मी के बीच कई महिलाएं और परिजनों ने नाराजगी भी जताई, लेकिन अस्पताल अधीक्षक मुस्कुराकर उन्हें रोकते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अस्पताल का स्टाफ लगातार बस पांच मिनट कहकर लोगों को समझाता रहा, लेकिन यह इंतजार करीब 40 मिनट तक चला। इस दौरान छोटे बच्चे अपने परिजनों के साथ अस्पताल परिसर में बैठे रहे। दोपहर करीब 12.40 बजे जनप्रतिनिधि अस्पताल पहुंचे। उनके पहुंचने के बाद बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। बड़ी संख्या में बच्चों और परिजनों को इंतजार करते देख जनप्रतिनिधि ने भी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान अस्पताल प्रभारी पीयाम सिंह, जिला टीकाकरण अधिकारी दिव्या श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में स्टाफ मौजूद थे।

विलंब की नहीं थी जानकारी

“ जनप्रतिनिधि ने दोपहर 12 बजे पहुंचने का समय दिया था और उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनके आने में इतना विलंब हो जाएगा। कार्यक्रम की तैयारी उसी निर्धारित समय को ध्यान में रखकर की गई थी।

पीयाम सिंह, प्रभारी सिविल अस्पताल सुपेला भिलाई

आप ने उठाए सवाल, विधायक को गवाह बनाने व दस्तावेज पुलिस को सौंपने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

बीएसपी लोहा चोरी का मामला

बीएसपी लोहा चोरी मामले में आम आदमी पार्टी ने वैशाली नगर विधायक द्वारा किए जा रहे खुलासों को लेकर सरकार और पुलिस प्रशासन से बड़ी मांग की है। पार्टी के जिला अध्यक्ष जसप्रीत सिंह ने कहा है कि विधायक यदि इस मामले को 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक का महाघोटाला बता रहे हैं और उनके पास इससे जुड़े दस्तावेज हैं, तो उन दस्तावेजों को दुर्ग पुलिस को भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

जसप्रीत सिंह ने जारी बयान में कहा कि वैशाली नगर विधायक पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया के माध्यम से बीएसपी लोहा चोरी मामले में लगातार नए खुलासे कर रहे हैं। विधायक द्वारा इस पूरे मामले को एक सुनियोजित और बड़े आर्थिक घोटाले के रूप में प्रस्तुत किया गया है। साथ ही यह भी जानकारी सामने आई है कि उन्होंने संबंधित दस्तावेजों की प्रतियां मुख्यमंत्री को सौंपी हैं। आम आदमी पार्टी का कहना है कि जब दुर्ग पुलिस इस मामले की जांच कर रही है, तब विधायक के पास मौजूद दस्तावेज और जानकारी जांच एजेंसी तक पहुंचना जरूरी है। इससे जांच को दिशा मिलेगी और मामले की सच्चाई सामने आने में मदद मिलेगी। पार्टी ने मांग की है कि विधायक द्वारा मुख्यमंत्री को दिए गए सभी दस्तावेजों की प्रतियां तत्काल दुर्ग पुलिस को उपलब्ध कराई जाएं। इसके अलावा विधायक को इस मामले में प्रमुख गवाह के रूप में शामिल कर उनके बयान दर्ज हो।

मजबूत घरों के साथ बढ़ेगा महिलाओं का आत्मविश्वास, आर्थिक स्थिति भी

महिला राजमिस्त्री बनकर गढ़ रहीं अपने सपनों का भविष्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

- बठेना में आयोजित प्रशिक्षण में 35 महिलाएं भाग ले रही

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में ग्रामीण महिलाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने और प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में ग्राम बठेना, जनपद पंचायत पाटन में प्रेरणादायक पहल की जा रही है। बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी, दुर्ग द्वारा संचालित 30 दिवसीय रूरल मेसन राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसरों के द्वार खोल रहा है।

ग्राम बठेना में आयोजित इस प्रशिक्षण में 35 महिलाएं भाग ले रही हैं। यह प्रशिक्षण केवल भवन निर्माण की तकनीक सिखाने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और आर्थिक सशक्तिकरण की नई राह भी दिखा रहा है। जो महिलाएं कभी निर्माण कार्य को पुरुषों का क्षेत्र मानती थीं, वे आज राजमिस्त्री बनने का प्रशिक्षण लेकर अपने सपनों को नई उड़ान दे रही हैं।

गुणवत्ता नियंत्रण पर विशेष जोर

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को नींव निर्माण, दीवार निर्माण की वैज्ञानिक तकनीक, छत ढलाई, प्लास्टर, फ्लोरिंग, फिनिशिंग तथा निर्माण सामग्री के सही अनुपात और उपयोग की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। आधुनिक निर्माण तकनीकों के साथ सुरक्षा मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। इससे न केवल बेहतर निर्माण कार्य सुनिश्चित होगा, बल्कि सामग्री की अनावश्यक बर्बादी को भी रोका जा सकेगा। इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर सुश्री अनिता चारभे प्रतिभागियों को तकनीकी एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। प्रशिक्षणार्थियों को निःशुल्क ड्रेस, टूल किट एवं भोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

रोजगार के साथ बनेंगी सशक्त

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण एवं टिकाऊ आवास निर्माण सुनिश्चित करने में प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य भी कर रहे हैं। कौशल विकास के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी और स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए अवसर प्राप्त कर सकेंगी। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास और रोजगार सृजन का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। एक ओर जहां प्रशिक्षित महिला राजमिस्त्री प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले घरों को अधिक मजबूत, सुरक्षित और टिकाऊ बनाने में योगदान देंगी, वहीं दूसरी ओर उनके आत्मविश्वास और सामाजिक भागीदारी में भी वृद्धि होगी।

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 29 जून 2026

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

02

कुंडली नहीं समझदारी मिलाइए ...

लाइव इवेंट

हर आंगन एक पेड़, 300 फलदार और आयुर्वेदिक पौधों का निशुल्क वितरण

भिलाई। छत्तीसगढ़ की कला और प्रकृति के प्रति समर्पित संस्था आर्टकॉम के अभियान हर आंगन एक पेड़ के तहत रविवार को सुपेला चौक में 300 फलदार व आयुर्वेदिक पौधों का निशुल्क वितरण किया गया। दुर्ग सांसद विजय बघेल के नेतृत्व में भिलाई के विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने जनता को पौधे बांटे और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। आर्टकॉम संचालक निशु पांडेय के नारे हर आंगन एक पेड़ को चरितार्थ करते हुए यह आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य हर रविवार वृक्षारोपण एवं पौध वितरण कर आमजन तक यह संदेश पहुंचाना है कि ऑक्सीजन है तो हम हैं और ऑक्सीजन हमें पेड़-पौधों से ही मिलती है, हर आंगन में एक पेड़ लगाएं और शुद्ध ऑक्सीजन पाएं। सुपेला चौक में हुए वितरण के दौरान सांसद विजय बघेल ने अनूठी पहल की। उनके आह्वान पर सबसे पहले उन जिम्मेदार नागरिकों को सम्मान स्वरूप पौधे दिए गए जिन्होंने हेलमेट लगाया था और कार में सीटबेल्ट का उपयोग किया था। इस अवसर पर सर्व समाज के सभी नेतृत्वकर्ताओं ने भी अपने हाथों से पौधे वितरित किए। मीडिया प्रभारी अमिताभ भट्टाचार्य ने सुपेला चौक में बाधित हो रहे ट्रैफिक को दुरुस्त करने पर भिलाई पुलिस को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने कहा कि हर आंगन एक पेड़ एवं हर आंगन एक हार्वेस्टिंग का संदेश आज सिर्फ भिलाई या छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं, बल्कि देश के हर हिस्से तक पहुंच रहा है। यह विचार भिलाई से उपजा है, जो गर्व का विषय है।इस दौरान करमजीत सिंह संरक्षक, शंकर लाल देवांगन, सुदीप अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ, ओम यादव, प्रमोद सिंह, शारदा गुप्ता, 'हर आंगन एक पेड़' अध्यक्ष गुरुनाम सिंह, बृजमोहन उपाध्याय, संजय तिवारी, श्रीनिवास खेड़िया, संजय खंडेलवाल, रजनीकांत अग्रवाल और अन्य नागरिक उपस्थित थे।

● महाप्रभु, बलभद्र और सुभद्रा को पहंडी कर लायेंगे स्नान स्थल, देखने उमड़ेगी भक्तों की भीड़, देवस्नान के बाद प्रभु पड़ेंगे बीमार

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर आज तेज गर्मी से छुटकारा पाने 108 अभिमंत्रित कलशों के जल से महाप्रभु करेंगे देव स्नान, गजवेश में श्रृंगार कर भक्तों को देंगे दर्शन

जगन्नाथपुरी की तर्ज पर सोमवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि के अवसर पर देशभर के जगन्नाथ मंदिरों में आज देव स्नान यात्रा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। जिसे देव स्नान पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस अवसर पर 108 कलशों के सुगंधित और औषधीय जल से भव्य स्नान कराया जाएगा और भक्तों को महाप्रभु गज वेश का भव्य श्रृंगार देखने को मिलेगा। पूर्णिमा पर अत्यधिक स्नान के बाद महाप्रभु बीमार पड़ जायेंगे और ठीक 15 दिन बाद नेत्रोत्सव के बाद 16 जुलाई को प्रभु बलबद्र और सुभद्रा के संग रथ पर आरुढ़ होकर नगर भ्रमण करने रथयात्रा पर निकलेंगे।

भिलाई। शहर के प्राचीन सेक्टर 4 और सेक्टर 6 सहित सभी जगन्नाथ मंदिरों में इस वर्ष स्नान यात्रा 29 जून को जगन्नाथ मंदिरों में की जाएगी, साथ ही 16 जुलाई को शहर में जगन्नाथ रथयात्रा निकलेगी। भगवान के रथ को नए कलेवर में आकर्षक बनाने का कार्य भी चल रहा है। इस मौके पर शहर के हजारों भक्त प्रभु जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ को नगर भ्रमण कराते नजर आएंगे। मंदिरों में रथ के रंगरोगन और साज-सज्जा की तैयारी जारी है।

सुबह 9 बजे स्नान यात्रा.....

सेक्टर 4 जगन्नाथ मंदिर के सत्यवान नायक ने बताया कि ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि को जगन्नाथ मंदिर में स्नान यात्रा से पूर्व ज्येष्ठाभिषेक महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर मान्यता अनुसार 108 कलशों के सुगंधित और औषधिय अभिमंत्रित जल से भव्य स्नान कराया जाएगा। सेक्टर 4 और सेक्टर 6 जगन्नाथ मंदिर के प्रमुखों ने बताया कि सुबह 7.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक स्नान यात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया है, जिसके लिए मंदिर परिसर में तैयारी कई दिन पहले से शुरु हो गई थी और अंतिम चरण पर है। इस वर्ष भी जगन्नाथ स्थयात्रा से पूर्व रथ के रंगरोगन का काम शुरू हो गया है, स्नान यात्रा के बाद श्री जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा को भोग अर्पित किया जाएगा, जिसके बाद भगवान अपने विश्राम कक्ष की ओर प्रस्थान करेंगे।

108 अभिमंत्रित कलशों के जल से स्नान कर मिलेगी गर्मी से राहत

पुरी की तर्ज पर सेक्टर 4 जगन्नाथ मंदिर में स्थित कुंआ के पवित्र 108 कलशों के जल का उपयोग होता है। यह जल को पंडितों दवरा एकत्र कर वैदिक मंत्रोच्चार से अभिमंत्रित किया जाता है। जिसमें चंदन, केसर, फूल और औषधीय जड़ी-बूटियां भी मिलाई जाती हैं। पुजारी मंत्रों का उच्चारण करते हुए भगवान को स्नान कराते हैं। यह स्नान सिर्फ पानी से नहीं, बल्कि आस्था और परंपरा के साथ होता है। भक्त इस पल को अपनी आंखों में कैद करने के लिए लालायित रहते हैं, क्योंकि यह भगवान के दुर्लभ दर्शनों में से एक माना गया है।

अत्यधिक स्नान से प्रभु हो जाएंगे बीमार

इस जगत में महाप्रभु का चैतन्य रुप मानकर सभी विधान किये जाते है। मान्यताओं के अनुसार आज होने वाले इस भव्य स्नान के दौरान अत्यधिक स्नान करने से भगवान अस्वस्थ हो जाएंगे और वे 15 दिनों के लिए मंदिर में भक्तों को दर्शन नहीं देंगे। इस दौरान भगवान अणसर गृह या एकांत कक्ष में आराम करेंगे। जहां राज वैद्य उनका उपचार करेंगे।क्यों मनाई जाती है यह अनोखी पूर्णिमा,,,,

देवस्नान पूर्णिमा की ब्रह्मपुराण और स्कंद पुराण से जुड़ीपौराणिक कथाओं के अनुसार राजा इंद्रद्युम्न ने पुरी में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की काष्ठ प्रतिमाएं स्थापित की। जब ये प्रतिमाएं तैयार हुईं, तो राजा ने विद्वान ब्राह्मणों और संतों से प्रतिष्ठापना विधि पूछी, तब उन्होंने ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन देवताओं को पवित्र स्नान कराने की सलाह दी। यही देवस्नान पूर्णिमा कहलाया। मान्यता है कि इसी दिन भगवान ने पहली बार सार्वजनिक दर्शन दिए थे।

विश्वकर्मा की अनूठी शर्त और अनवसर का रहस्य

एक अन्य कथा के अनुसार, देवशिल्पी विश्वकर्मा भगवान जगन्नाथ की प्रतिमाएं बना रहे थे। उन्होंने राजा इंद्रद्युम्न से एक शर्त रखी कि जब तक प्रतिमाएं बन न जाएं, कोई भी उस कक्ष में प्रवेश नहीं करेगा। हालांकि राजा की पत्नी गुंडिचा देवी ने उत्सुकतावश समय से पहले ही दरवाज़ा खुलवा दिया। परिणामस्वरूप, विश्वकर्मा क्रोधित होकर प्रतिमाओं को अधूरा छोड़कर चले गए।

मंदिर में इन अधूरी प्रतिमाओं को ही स्थापित किया गया। लेकिन वो पूरी नहीं बन पायी थीं, इसलिए उन्हें साल में एक बार स्नान से पूर्ण करने का प्रयास होता है। इसके बाद नेत्रोत्सव के दिन वे नवयौवन के साथ प्रकट होंगे।

उत्सव का आरंभ और पहंडी यात्रा

देवस्नान पूर्णिमा के दिन सुबह ब्रह्ममुहूर्त में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को गर्भगृह से बाहर पहंडी करते हुए में स्नान मंडप तक लाया जाएगा। पुरी की ही तरह यहां भी देवताओं को पहंडी विधि (प्रतिमाओं को धीरे-धीरे, झूलाते हुए) लाया जाता है। भक्तों के जयकारे और हरि बोल से पूरा वातावरण गूंजायमान रहेगा।

गजवेश और अनवसर का महत्व

स्नान के बाद भगवान को विशेष रूप से गजवेश (हाथी के रूप में) में सजाया जाएगा। यह वेष भक्तों के लिए विशेष आकर्षक होता है। हाथी का यह रूप भगवान गणेश से जुड़ा है, जो शुभता और समृद्धि के प्रतीक हैं। यह भगवान के बीमार होने और ठीक होने का समय है। इन 15 दिनों में भगवान को विशेष आयुर्वेदिक औषधियाँ और काढ़े का भोग लगाए जाएगा, ताकि वे अपनी अस्वस्थता से उबर सकें। इस अवधि में प्रभु भक्तों को दर्शन नहीं देते। लेकिन मंदिर में पूजा और कीर्तन जारी रहेगा।

जड़ी बूटी, औषधियों का लगेगा भोग-

अणसर गृह में 15 दिनों तक भगवान को वैद्य द्वारा तैयार की गई विशेष जड़ी-बूटियों वाली औषधियां और 'पाचक' का भोग लगाया जाएगा। इसके बाद को पूर्ण रुप से स्वस्थ हो जाएंगे। जिसे नेत्रोत्सव के रुप में मनाया जाएगा और फिर महाप्रभु अपने भाई व बहन के साथ रथ यात्रा करते हुए नगर भ्रमण करेंगे और भक्तों को दर्शन देंगे।

लाइव इवेंट

ब्रजमंडल भिलाई की आमसभा में गिरीश अध्यक्ष और सूरज मंगला बने महासचिव

भिलाई। ब्रजमंडल भिलाई की वार्षिक आमसभा 2026 का आयोजन रविवार को सेक्टर-6 स्थित गीताभवन सभागार में किया गया। अध्यक्ष राकेश कुमार यदुवंशी ने पिछले वर्ष के क्रियाकलापों का वर्णन करते हुए संस्था का प्रगति पत्रक प्रस्तुत किया। महासचिव सूरज मंगला ने वार्षिक प्रतिवेदन पेश करते हुए गीता भवन भूमि के लीज नवीनीकरण हेतु बीएसपी प्रशासन द्वारा मांगी गई देनदारी की चुनौती से अवगत कराया। कोषाध्यक्ष विरेन्द्र कुमार शर्मा ने वर्ष 2025-26 के आय-व्यय पत्रक एवं आगामी बजट का संक्षिप्त ब्यौरा पढ़कर सुनाया। उपस्थित सदस्यों ने ध्वनि मत से आय-व्यय पत्रक को अनुमोदित किया। ब्रजमंडल के स्थापना काल से लागू बाइलाज में आगामी वर्षों के लिए आवश्यक संशोधनों को भी आमसभा ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पूर्व संस्थापक सदस्यों जगदीश प्रसाद शर्मा, राजपाल सिंह राघव, रतनलाल गोयल, विजय सिंह पाराशर, डॉ. एच.आर. वार्ष्णेय और मोहन लाल शर्मा आदि ने वर्तमान कार्यकारिणी के कार्यों की सराहना करते हुए उसे ही अगले कार्यकाल के लिए पुनः चयन के लिए अनुरोध किया। सभासदों ने भी सर्वसम्मति से सहमति जताई। लेकिन अध्यक्ष यदुवंशी ने उपाध्यक्ष गिरीश गुप्ता का नाम आगामी कार्यकाल के अध्यक्ष के लिए प्रस्तावित किया, जिसका सदस्यों ने समर्थन किया। चुनाव अधिकारी राधेश्याम शर्मा ने नवीन कार्यकारिणी घोषित की। अध्यक्ष पद पर गिरीश गुप्ता, महासचिव सूरज मंगला, उपाध्यक्ष भावना तोमर, उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष विरेन्द्र कुमार शर्मा चुने गए। इसके अलावा कार्यकारी अध्यक्ष कौशल किशोर शर्मा, उपकोषाध्यक्ष अखिलेश कुमार त्रिपाठी, आंतरिक अंकेक्षक अनुराग शर्मा, सचिव के.के. प्यासी, शील कुमार राघव, राजेश शर्मा तथा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राजकुमार वर्मा, उदय ढवले, कुलदीप सिंह तोमर, विवेक सिंह, विरेन्द्र सिंह ठाकुर, हरीश कुमार गुहे, दीपक कुमार गोयल, संजय शर्मा सहित अन्य सदस्य शामिल हैं।

भारतीय बौद्ध महासभा ने मनाया छत्रपति राजर्षी शाहू महाराज का जन्म दिवस, हुई विभिन्न गतिविधियां

भिलाई। भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई पंजीयन क्रमांक 1119 में छत्रपति शाहू महाराज का जन्म दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत धूप दीप प्रज्वलित कर किया गया उसके पश्चात भनते वेनरेबल शील रत्न बोधी द्वारा पंचशील ग्रहण कराया गया एवं धर्म देशना दी गई। कार्यक्रम में राजर्षी शाहू महाराज के विषय में सेक चंद गौरकर आनंद रामटेके, विनायक चौरे ने अपनी बात रखी। अजय गनवीर ने अन्य विषय पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में संस्था की अन्य गतिविधियों के तहत क्विज के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। संस्था ने सहयोगी संस्था के सहयोग से पढ़ाई लिखाई करने वाले बच्चों को शिक्षा सहयोग राशि प्रदान की गई। माधुरी बर्थडे द्वारा प्रति सप्ताह चलाए जा रहे ज्ञान की पाठशाला भी संचालित रही। सभी कार्यक्रम में संस्था के कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित हुए। साथ साथ संस्था के सदस्य गण भारी जनसंख्या में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की, अध्यक्षता आयुष्मान विनोद वासनिक और कार्यक्रम का संचालन संस्था महासचिव ने किया।

अवनी को मिला अखिल भारतीय प्रतियोगिता में तृतीय स्थान

भिलाई। विज्ञान सेतु फाऊंडेशन नई दिल्ली ने अखिल भारतीय स्तर पर बालिकाओं के लिए आनलाइन विज्ञान प्रोजेक्ट प्रस्तुतिकरण प्रतियोगिता जून महीने के प्रथम सप्ताह में पर्यावरण दिवस पर आयोजित की थी। इसमें देश भर से पर्यावरण संरक्षण विषय पर 144 प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए गए। इसका मूल्यांकन तीन निर्णायकों की समिति द्वारा किया गया। उत्कृष्ट अभिनव समाजोपयोगी प्रोजेक्ट को शील्ड व मेडल से पुरस्कृत किया गया। डीएवी पब्लिक स्कूल हुडको की कक्षा नवमीं की छात्रा अवनी शर्मा ने इस प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त कर अवार्ड ऑफ मेरिट हासिल किया। उल्लेखनीय है कि अवनी शर्मा अवार्ड पाने वाली छतीसगढ़ से एक मात्र प्रतिभागी हैं। अवनी ने अपना प्रोजेक्ट विज्ञान शिक्षक अजय शर्मा के मार्गदर्शन में पूरा किया। अवनी की इस सफलता पर डीएवी छत्तीसगढ़ जोन के रीजनल ऑफिसर व प्राचार्य प्रशांत कुमार ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए छात्रा और उनके पालक को बधाई दी और कहा कि विद्यार्थियों की बुद्धिमत्ता ही शाला की पूंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि उन्हें हर अवसर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने हेतु तत्पर रहना चाहिए और असफलता से डरे बिना हर प्रतियोगिता में बढ़ चढ़ कर भाग लेना चाहिए।

मानसून से पहले मिट्टी तैयार करने विशेषज्ञ दे रहे खाद और देखभाल के खास टिप्स

कार्नर न्यूज

मानसून में घरों को ग्रीन लुक देने की तैयारी तेज नर्सरियों में बढ़ी इंडोर-आउटडोर पौधों की डिमांड

भिलाई। प्री-मानसून की सुगबुगाहट के साथ ही शहरवासियों ने बारिश के स्वागत की तैयारियां शुरू कर दी हैं। अपनी छतों, बाल्कनी और किचन गार्डन को हरा-भरा बनाने के लिए लोग बड़ी संख्या में नर्सरी का रुख कर रहे हैं। मानसून के पूरी तरह से दस्तक देने से पहले ही पौधों को रोपने का यह सबसे सही समय माना जाता है, इसलिए इंडोर और आउटडोर प्लांट्स की खरीदारी जोरों पर है। लोग घर के अंदर ऐसे पौधे रखना चाहते हैं, जो न केवल आकर्षक लुक दें, बल्कि वातावरण को सकारात्मक भी रखें। कम रोशनी में जीवित रहने की क्षमता के कारण 100 से 150 रुपये की कीमत वाले मनी प्लांट की सबसे ज्यादा बिक्री हो रही है। लोग मानसून से पहले ही पौधों को व्यवस्थित करने के लिए सिरेमिक और 'सेल्फ-वॉटरिंग पॉट' खरीद रहे हैं। इसके अलावा कॉसमॉस, जीनिया, गेंदा और सूरजमुखी के पौधों की मांग भी तेजी से बढ़ी है।

बारहमासी और विदेशी फूलों का बढ़ा क्रेज

प्रियदर्शनी नगर नर्सरी के संचालक बताते हैं कि बारिश के मौसम में पौधे आसानी से जड़ पकड़ लेते हैं, इसलिए लोग प्री-मानसून के समय ही बारहमासी फूलों के पौधे खरीदकर लगा रहे हैं ताकि वे बारिश का पूरा फायदा उठा सकें। नर्सरी में इस बार विदेशी फूलों की नई वैरायटी भी आई हुई है, जिन्हें अभी लगाने पर ठंड तक बेहतरीन फूल खिलने शुरू हो जाते हैं। इन विदेशी किस्मों में डायनथस, पेओनी, आईरिस, फॉक्सग्लोव और डे-लिली के पौधे तथा बीज शामिल हैं, जिनकी एडवांस खरीदारी की जा रही है।

लिली और कोचिया की सबसे अधिक मांग

शहर के नर्सरियों में कम देखभाल मांगने वाले और औषधीय गुणों से भरपूर पौधों की भारी डिमांड है। लोग मानसून से पहले लिली और कोचिया के पौधे जमकर खरीद रहे हैं क्योंकि ये बारिश में तेजी से पनपते हैं और इंडोर डेकोरेशन के लिए भी बेहतरीन विकल्प हैं। बारिश के दौरान इंडोर पौधों को फंगस या नमी से बचाने के लिए नर्सरी संचालकों द्वारा ग्राहकों को मानसून केयर टिप्स दिए जा रहे हैं। साथ ही देसी-विदेशी पौधों को सही तरीके से रोपने की जानकारी भी दी जा रही है।

सिटी इवेंट

भारत-यूके आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने सुझावों का आदान-प्रदान

भिलाई। भारत सरकार और एफआईसीसीआई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भारत-यूके बिजनेस डेलिगेशन कार्यक्रम का दो दिवसीय आयोजन लंदन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भारत सरकार के केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में भारत के विभिन्न राज्यों से आए उद्योगपतियों, उद्यमियों, स्टार्टअप प्रतिनिधियों, निर्यातकों व एमएसएमई क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

छत्तीसगढ़ से डॉ. जितेंद्र प्रसाद गुप्ता अध्यक्ष उद्योग चेम्बर भिलाई, छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और सीईओ, जेपी इंजीनियरिंग भिलाई ने प्रतिनिधि के रूप में सहभागिता करते हुए कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित बिजनेस प्लेनरी और एमएसएमई संवाद सत्र में मंत्री पीयूष गोयल ने प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की तथा भारत सरकार की उद्योग, निवेश, निर्यात संवर्धन एवं एमएसएमई विकास संबंधी नीतियों की जानकारी साझा की। उन्होंने आश्वस्त किया कि भारत सरकार एमएसएमई क्षेत्र को वैश्विक बाजारों से जोड़ने, निर्यात क्षमता बढ़ाने तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस संवाद सत्र के दौरान सभी प्रतिनिधियों को अपना परिचय देने और अपने-अपने उद्योग, व्यवसाय व कार्यक्षेत्र के बारे में जानकारी प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया। प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा भारत और यूनाइटेड किंगडम के मध्य व्यापार, निवेश, तकनीकी सहयोग, उन्नत विनिर्माण, हरित ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं नवाचार के क्षेत्रों में संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

डॉ. जितेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि यह यात्रा केवल एक प्रतिनिधिमंडल कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय उद्योगों विशेषकर छत्तीसगढ़ के एमएसएमई और विनिर्माण क्षेत्र के लिए वैश्विक अवसरों के द्वार खोलने वाला महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुई है। इस दौरान स्थापित हुए संपर्क, प्राप्त अनुभव और व्यावसायिक अवसर प्रदेश के औद्योगिक विकास में सहायक होंगे। डॉ. गुप्ता ने भारत सरकार, एफआईसीसीआई, मंत्री पीयूष गोयल, छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज तथा सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सिटी लाइव

वाद-विवाद, काव्य पाठ और एक्सटेम्पोर में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

भिलाई। विद्यार्थियों की भाषाई दक्षता, अभिव्यक्ति क्षमता और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नंदिनी माइंस में विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सीसीए प्रभारी रानू खंडूजा और मंच संचालन पूनम द्वारा किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा तीसरी से पांचवी के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी काव्य-पाठ, कक्षा छठवीं से आठवीं के लिए हिंदी एक्सटेम्पोर और कक्षा नवमी से बारहवीं के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कक्षा तीसरी से पांचवी के विद्यार्थियों ने पर्यावरण विषय पर अंग्रेजी कविताओं का प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कक्षा छठवीं से आठवीं के विद्यार्थियों ने हिंदी एक्सटेम्पोर में तात्कालिक भाषण दिया। वहीं कक्षा नवमी से बारहवीं के मध्य आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने परीक्षा प्रणाली में निरंतर बदलाव, शिक्षा में प्रगति या अस्थिरता? इस विषय पर पक्ष एवं विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत कर श्रोताओं को प्रभावित किया। अंग्रेजी काव्य पाठ एवं हिंदी एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में उमाशंकर साहू एवं सोमनाथ साहू ने भूमिका निभाई। हिंदी एक्सटेम्पोर के लिए बप्पा दित्यबाग और सोमनाथ साहू निर्णायक रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में वरिष्ठ शिक्षक दिनेश जाधव एवं रमेश प्रसाद मिश्रा उपस्थित रहे।अंग्रेजी काव्य पाठ में अग्नि सदन की अश्विका साहू प्रथम, मान्यता वर्मा द्वितीय तथा वायु सदन की आरोही बन्छोर तृतीय रहीं। हिंदी एक्सटेम्पोर में अग्नि सदन की पृषा सिंह प्रथम, अंगीरा सदन की सावी दुबे द्वितीय तथा आदित्य सदन की गुंजन कुर्रे तृतीय रहीं। वाद-विवाद में पक्ष की श्रेणी में वायु सदन की दिव्या पटेल प्रथम, अग्नि सदन की अनोखी कोचर द्वितीय रहीं। विपक्ष में वायु सदन की निकिता प्रजापति प्रथम तथा अंगीरा सदन की अनुष्का शर्मा द्वितीय रहीं। कार्यक्रम के अंत में सीसीए प्रभारी रानू खंडूजा ने सभी प्रतिभागियों व विजेताओं की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास तथा अभिव्यक्ति कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बाबा धाम समिति दस वर्षों से बिखेर रही हरियाली

निकुम। पर्यावरण बचाने के संकल्प को लेकर दुर्ग जिले के ग्राम निकुम के प्रकृति प्रेमी युवा दिलीप ठाकुर व बाबा धाम निकुम भाटापारा के युवा बीते एक दशक से पर्यावरण में हरियाली बिखरने का कार्य कर रहे है। दिलीप ठाकुर सुबह गांव गांव ई रिक्शा से फेरी लगाकर समान बेचते है, वही कार्य के बाद रोज समय देकर पेड़ पौधों के लिए समय निकालकर पेड़ लगाने का संदेश दे रहे हैं। रविवार को भी संत श्रीमाता निकुम को श्रद्धांजलि स्वरूप 25 पेड़ सहित एक पेड़ मां के नाम 111 पेड़ छायादार आम, नीलगिरी, जामुन, शो पीस सहित कई प्रकार के पौधे तालाब में लगाकर किसानों को भी हर खेत में एक पौधा लगाने का संकल्प किया। इस समिति में सैकड़ों युवा सहयोग कर रहे हैं।

● वैदिक सत्संग में विवाह, युवा और समाज पर रखे बेबाक विचार

कुंडली नहीं समझदारी मिलाइए, वाई-फाई है लेकिन रिश्तों का नेटवर्क कहां, पारिवारिक व वैदिक जीवन-दृष्टि पर मंथन

मिलाई। आज हर घर में वाई-फाई का नेटवर्क फुल है, लेकिन परिवार के भीतर संवाद का नेटवर्क लगातार कमजोर हो रहा है। मोबाइल की बैटरी खत्म होने पर बेचैनी होती है, लेकिन रिश्तों की बैटरी कब खत्म हो जाती है, इसका एहसास भी नहीं होता। वर्तमान में परिवारों की हकीकत पर प्रकाश डालते हुए यह बातें आचार्य अजय आर्य ने कहा। आर्य समाज मंदिर सेक्टर-6 भिलाई में रविवार को आयोजित वैदिक सत्संग एवं समसामयिक चर्चा में आधुनिक समाज की विसंगतियों, टूटते पारिवारिक मूल्यों और वैदिक जीवन-दृष्टि पर गहरा मंथन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य समाज के प्रधान अवनी भूषण पुरंग ने की तथा संचालन मंत्री प्रवीण गुप्ता ने किया। वैदिक मंत्रोच्चार एवं यज्ञ का संचालन अंकित शर्मा शास्त्री के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सौम्य देशमुख, ऋचा तिवारी एवं समाजसेवी मनोज ठाकरे का आर्यसमाज ने स्वागत किया। मुख्य वक्ता आचार्य डॉ. अजय आर्य ने स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों का उल्लेख करते हुए आचार्य ने कहा कि डेढ़ सौ वर्ष पूर्व ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि विवाह का आधार जन्मपत्री नहीं, बल्कि गुण, कर्म और स्वभाव होना चाहिए। आज स्थिति यह है कि जो बातें कुंडली में नहीं दिखतीं, वे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर दिखने लगी हैं। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि जाति, उपजाति और दिखावे से ऊपर उठकर व्यक्तित्व, संस्कार और चरित्र को महत्व देना होगा।

अरेंज मैरिज गारंटी नहीं

महाराष्ट्र के चर्चित सिया एवं केतन, लोहागढ़ प्रकरण का उल्लेख करते हुए आचार्य ने कहा कि केवल अरेंज मैरिज कर देना सफल वैवाहिक जीवन की गारंटी नहीं है। यदि विवाह से पहले दो व्यक्तियों के विचार, स्वभाव, जीवन-दृष्टि और अपेक्षाओं को समझने का अवसर ही न मिले, तो केवल सामाजिक औपचारिकताएं परिवार को नहीं बचा सकतीं। उन्होंने कहा कि आधुनिक होने का दावा करने वाला समाज आज भी अनेक मामलों में रूढ़ियों की बेड़ियों में जकड़ा हुआ है।

युवा सेवा से बदलेगी तस्वीर

आचार्य ने युवाओं से समाज सेवा के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि जैसा समाज हम बनाएंगे, वैसा ही हमारा भविष्य होगा। सेवा ही राष्ट्र और समाज निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ऋचा तिवारी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में नंदलाल आर्य ने भावपूर्ण भजन एक झोले में फूल भरे हैं, एक झोली में कांटे कोई कारण होगा। प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अंत में पारिवारिक चर्चा आयोजित की गई, जिसमें उपस्थित समाजसेवियों ने आर्य समाज द्वारा संचालित जलदान महाअभियान तथा विभिन्न सेवा कार्यों की सराहना की।

विवाह संस्कार है, समझौता नहीं

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने जोर देकर कहा कि सफल विवाह दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो संस्कारों और दो परिवारों का मिलन होता है। उन्होंने अभिभावकों और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा सबसे पहले मन मिलाइए, फिर विवाह कराइए। केवल नौकरी, वेतन, रूप, जाति या कुंडली देखकर निर्णय न लें, बल्कि यह भी समझें कि दोनों एक-दूसरे के विचारों, स्वभाव और जीवन के उद्देश्यों के साथ चल पाएंगे या नहीं। उन्होंने माता-पिता से अपील करते हुए कहा कि बच्चों की बात सुनें, केवल अपनी बात न सुनाएं। अनुभव का लाभ दें, लेकिन निर्णय न थोपें। संवाद का वातावरण रहेगा तो बच्चे भी जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय विश्वास के साथ साझा करेंगे। बच्चों को बचपन से ही निर्णय लेने, नेतृत्व करने और जिम्मेदारी निभाने का अवसर देना चाहिए। हर सुविधा उपलब्ध करा देना अच्छा पालन-पोषण नहीं है, बल्कि उन्हें संघर्ष और आत्मनिर्भरता के लिए तैयार करना ही सच्चा संस्कार है। बच्चों को यह भ्रम कभी नहीं होना चाहिए कि माता-पिता का सामर्थ्य ही उनका भविष्य है, उन्हें यह विश्वास होना चाहिए कि उनका सबसे बड़ा सहारा उनका पुरुषार्थ और कर्म है। उन्होंने युवाओं को चेताया कि विवाह से पहले यह भी सीखें कि हर निर्णय का परिणाम होता है। क्षणिक आकर्षण जीवनभर का पश्चाताप न बन जाए, इसलिए किसी भी निर्णय से पहले उसके अच्छे और बुरे दोनों पक्षों पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक है।आज शादी का कार्ड चुनने में जितना समय लग जाता है, उतना समय कई परिवार जीवनसाथी को समझने में भी नहीं लगाते। फोटो सुंदर आ जाती है, लेकिन कई बार भविष्य धुंधला रह जाता है।

स्टील हाफ मैराथन में दिया योगदान

बीएसपी के 42 कार्मिक शाबाश अवार्ड से किए गए सम्मानित

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित प्रथम भिलाई स्टील हाफ मैराथन के आयोजन योगदान देने वाले नॉन-वर्क्स एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के 42 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शाबाश अवार्ड' (श्रेणी-1) से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने चयनित अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया। सीएमओ डॉ. विनीता द्विवेदी, डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर, जीएम प्रभारी जेएन ठाकुर ओए के अध्यक्ष नरेन्द्र बंछोर भी उपस्थित थे।

सम्मानित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का संबंध चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, संपर्क प्रशासन एवं जनसंपर्क, मानव संसाधन, ज्ञानार्जन एवं विकास, टाउन सर्विसेज तथा स्पोर्ट्स, कल्चर एंड सिविक एमेनिटीज विभागों से था। इन सभी ने प्रथम भिलाई स्टील हाफ मैराथन के सफल आयोजन में विभिन्न स्तरों पर महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। श्री ठाकुर ने कहा कि मैराधन टीम भावना से सफल हुआ। मुख्य अतिथि पवन कुमार ने प्रथम मैराथन विभिन्न विभागों और ओए आदि के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक निशा बाउल ने किया।

30 से अधिक पढ़ी गई कविताएं

काव्य पाठ, सम्मान समारोह और नई कार्ययोजना पर हुई चर्चा

भिलाई। प्रगतिशील जन-विचारधारा की साहित्यिक संस्था आरंभ की सातवीं सांगठनिक बैठक रविवार को भिलाई निवास स्थित इंडियन कॉफी हाउस सभागार में संपन्न हुई।

कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर स्वयंसिद्धा की अध्यक्ष डॉ. सोनाली चक्रवर्ती, संस्था के मुख्य सलाहकार आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा, संस्था के मुख्य संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष त्रयम्बक राव साटकर, उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश नीलम चंद सांखला और सेवानिवृत्त उप वन मंडल अधिकारी अब्दुल वहीद खान उपस्थित थे।

7वीं सांगठनिक बैठक

कार्यक्रम के शुरुआत में सरस्वती वंदना संध्या साटकर ने प्रस्तुत की। आयोजकीय वक्तव्य ठाकुर दशरथ सिंह भुवाल सोनपांडर ने दिया। स्वागत उद्बोधन अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य ने किया। प्रतिवेदन एवं उद्देश्य महासचिव नुरू सबाह खान ने रखा। काव्य पाठ का संचालन उपाध्यक्ष दीप्ति श्रीवास्तव और आभार ब्रजेश मल्लिक ने व्यक्त किया। बैठक में बताया गया कि संस्था में अब सदस्य संख्या 51 हो गई है। मुख्य संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा ने सभी सदस्यों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने कहा हर मौन कलम को आवाज़ देने का मंच है आरंभ, शोषितों के स्वरों का यह प्रखर उद्घोष-स्तम्भ है। एक नई सोच का नाम आरंभ है।

आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि आरंभ के आयोजनों में सर्वधर्म समभाव एवं परस्पर सामाजिक सद्भाव का वातावरण देखते ही बनता है। त्रयम्बक राव साटकर ने कहा कि साहित्य को उन्नति के सर्वोच्च शिखर पर रखना ही के साहित्यकारों का लक्ष्य है।

नीलम चंद सांखला और अब्दुल वहीद खान ने भी विचार रखे। दूसरे सत्र में काव्य पाठ हुआ। डॉ. संध्या श्रीवास्तव, वर्षा ठाकुर, गजेंद्र द्विवेदी, तारकनाथ चौधरी, अमृता मिश्रा, डॉ. विजय कुमार गुप्ता, शशिप्रभा गुप्ता, नुरू सबाह खान, नीलम चंद सांखला, प्रकाश चंद्र मण्डल सहित 30 से अधिक रचनाकारों ने कविता पाठ किया। सभी को आरंभ प्रतिभागी प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यक्रम में शेफाली भट्टाचार्य, संध्या साटकर, शानू मोहनन, अनिल खरे, जाविद हसन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

हरे कृष्णा मूवमेंट भिलाई में धूमधाम से मना पानीहाटी दही चिड़ा महोत्सव

फलों और सुगंधित फूलों से सजा राधा-कृष्ण दरबार, निताई गौरांग को कराया नौकायान

कार्नर न्यूज

भिलाई। सेक्टर-6 स्थित अक्षय पात्र प्रांगण के हरे कृष्णा मूवमेंट मंदिर में पानीहाटी दही चिड़ा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण को आम, केला, अनानस, अंगूर, संतरा सहित सभी ऋतु फलों और खूबसूरत रंग-बिरंगे सुगंधित फूलों से सजाया गया था। इस अवसर पर राधा-कृष्ण के विग्रह को भी आकर्षक ढंग से दिव्य श्रृंगार किया और भगवान निताई गौरांग को नौकायान कराया गया। जो मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। यह उत्सव ब्रम्ह-मध्व गौड़ीय सम्प्रदाय के श्रेष्ठ आचार्य रघुनाथ दास गोस्वामी के संन्यास ग्रहण की स्मरण तिथि के रूप में मनाया जाता है। श्री रघुनाथ दास गोस्वामी भगवान चैतन्य महाप्रभु के अनन्य शिष्य थे जिन्होंने अत्यंत धनी परिवार में जन्म के बावजूद कठोर वैराग्य का पालन कर संन्यास धर्म निभाया।

फलों से मिश्रित दही-चिड़ा प्रसाद का वितरण

उत्सव का मुख्य आकर्षण जल क्रीड़ा उत्सव रहा जिसमें भगवान निताई गौरांग को सुसज्जित नाव में विराजमान कर नौकायन कराया गया। इस दौरान उपस्थित सभी भक्तगणों को विभिन्न फलों से मिश्रित दही-चिड़ा प्रसाद का वितरण किया गया। जिसके बाद भगवान की महाआरती हुई एवं श्री श्री निताई गौरांग का दिव्य पालकी उत्सव का आयोजन किया गया। पालकी उत्सव में भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं को भगवान का महाप्रसाद वितरित किया गया।

हरिनाम संकीर्तन के साथ मनाया उत्सव

महोत्सव के दौरान मंदिर में भगवान राधा-कृष्ण का दिव्य अलंकार किया गया। संपूर्ण मंदिर परिसर को विभिन्न प्रकार के आम, फलों एवं रंग-बिरंगे पुष्पों से भव्य रूप से सुसज्जित किया गया था। शाम 6.45 बजे संध्या आरती एवं हरिनाम कीर्तन के साथ उत्सव का शुभारंभ हुआ। भगवान के नाम के दिव्य मंत्रोच्चार से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। हरे कृष्ण मंदिर भिलाई के अध्यक्ष व्योमपाद दास ने बताया कि पानीहाटी महोत्सव भक्तों को सेवा और समर्पण की प्रेरणा देता है।

हेल्थ टिप्स

आपके तलवे की बनावट में छिपा है किस्मत का राज

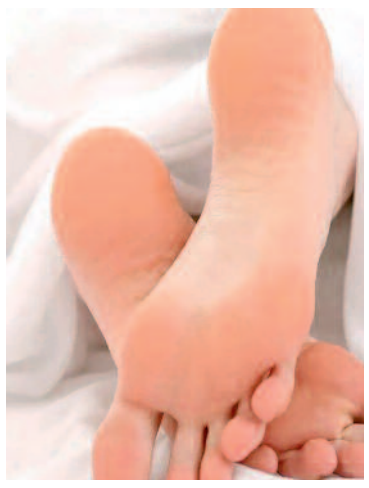

ज्योतिष शास्त्र में हाथों और पैरों की लकीरों में भी हमारी किस्मत और भविष्य से जुड़ी कुछ बातें छिपी होती। हैं। आपने अक्सर लोगों को ये कहते हुए सुना होगा कि हाथों की लकीरें आपकी तकदीर बदल सकती हैं, लेकिन सिर्फ हाथ ही नहीं बल्कि आपके तलवे में भी कुछ लकीरें होती हैं जो आपके आने वाले समय और आपकी पर्सनैलिटी का पता चलता है। ज्योतिष में ही एक है समुद्र शास्त्र जिससे आपके आने वाले समय के बारे में जानकारी आपके शरीर के कुछ हिस्सों को देखकर बताई जाती है। इसी में एक होती है फुट रीडिंग यानी कि हाथों के साथ पैरों की रेखाओं से भविष्य बताना।

फुट रीडिंग भारत और चीन में एक प्राचीन अवधारणा है और इसमें एक व्यक्ति को अपने पैर की उंगलियों या अपने तलवों की रेखाओं के बारे में जानकारी लेना शामिल है। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि तलवे अपने पैरों के शीर्ष की तुलना में किसी व्यक्ति के बारे में अधिक बताते हैं और आपके भविष्य की जानकारी भी देते हैं।

क्या कहता है फुट रीडिंग का विज्ञान

यह रिफ्लेक्सोलॉजी का एक विस्तार है और माना जाता है कि यह स्वास्थ्य के मुद्दों, भावनात्मक कल्याण और व्यक्तित्व प्रकार को प्रकट करता है। फुट रीडिंग विशेषज्ञों का मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति के पास एक पुरुष और एक महिला के पैर होते हैं, जिसमें दायां एक पुरुष के रूप में कार्य करता है और बाएं एक महिला के रूप में माना जाता है।

पैर की बनावट बताती है स्वभाव

शीतल जी बताती हैं कि आपके पैरों के तलवों से आप किसी भी व्यक्ति के स्वभाव के बारे में जान सकते हैं। इसमें कुछ ख़ास बातें ध्यान देनी चाहिए। आइए जानें क्या हैं वो बातें यदि आप अपने तलवे की गद्दी के बीच खड़ी रेखाएं देखते हैं तो आप शायद आत्म-सम्मान में कम महसूस कर सकते हैं। पैरों के तलवे की रेखाएं यदि तिरछी हैं तो ये आपके अनिर्णय को दर्शाती हैं। ऐसे लोग किसी भी बात के लिए दृढ़ नहीं हो पाते हैं और अपने निर्णय लेने में देरी करते हैं।

नैरो हील्स का मतलब है कि आपको ज्यादा सुरक्षा की जरूरत है और आप कई बातों के लिए दूसरों पर निर्भर हैं। यदि आपके पैर के उत्तर से दक्षिण तक लंबी लाइन है तो आप अपने आप पर बहुत अधिक दबाव डाल रहे हैं। वास्तव में यदि आप किसी चीज़ के बारे में अनिर्णायक हैं या अपने जीवन के किसी पहलू में संघर्ष कर रहे हैं, तो एक फुट रीडिंग आपकी दुविधा को दूर कर सकती है।

पैरों की रेखाओं में छिपी है आपकी किस्मत

फुट रीडिंग में तलवे में कुछ ऐसी रेखाएं

होती हैं जो पैर के तलवों की बनावट और उनमें बने निशान के आधार पर भविष्य के बारे में बताते हैं। ऐसा माना जाता है कि जिन लोगों के तलवे दिखने में नरम होते हैं और इसमें कम रेखाएं दिखती हैं वो ज्यादा भाग्यशाली होते हैं। ऐसे लोगों पर लक्ष्मी की कृपा ज्यादा होती है। जिन लोगों के तलवे में तिरछी रेखाएं होती हैं और अस्त व्यस्त नजर आती हैं उनके जीवन में समस्याएं ज्यादा होती हैं। जिन लोगों के तलवे सपाट होते हैं वो मेहनती होते हैं और विचारों से खुले होते हैं। ऐसे लोग दूसरों की हमेशा मदद करते हैं इसलिए लोगों के बीच में प्रसिद्धि पाते हैं। यदि पैर के तलवे में चक्र, कमल के फूल या शंख नजर आए तो आप जीवन में बहुत ज्यादा प्रसिद्धि पाएंगे और कुछ बड़े स्थानों में कार्यरत होंगे।

ब्लड प्रेशर को लेकर आज जागरुकता जरूरी

भ्रमित करते हैं ब्लड प्रेशर से जुड़े कई मिथक आप भी ऐसा मानते हैं तो बढ़ सकती हैं मुश्किलें

विशेषज्ञों के अनुसार हाई ब्लड प्रेशर कई कारणों से हो सकता है, जिनमें आनुवंशिकता, बढ़ती उम्र, मोटापा, तनाव, शारीरिक निष्क्रियता, अत्यधिक नमक का सेवन, धूम्रपान, शराब और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं शामिल हैं। कहीं आप भी तो इस समस्या का शिकार नहीं हैं?

कई अध्ययनों से ये स्पष्ट हो चुका है कि हाइपरटेंशन यानी हाई ब्लड प्रेशर साइलेंट किलर है, यानी ये स्थिति शरीर को अंदर ही अंदर खोखला करती जाती है। कम उम्र वालों में भी ये दिक्कत तेजी से बढ़ती जा रही है। हाई ब्लड प्रेशर को हृदय रोग और हार्ट अटैक का प्रमुख कारण माना जाता रहा है। हालांकि ब्लड प्रेशर के मामले में चिंता की बात ये रही है कि कई बार व्यक्ति को वर्षों तक कोई स्पष्ट लक्षण महसूस नहीं होते। बीपी के लक्षण न दिखने की वजह से इसका समय रहते इलाज नहीं हो पाता और बीमारी अंदर ही अंदर आपके दिल, दिमाग, किडनी और आंखों की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाती रहती है।

विशेषज्ञों के अनुसार हाई ब्लड प्रेशर कई कारणों से हो सकता है, जिनमें आनुवंशिकता, बढ़ती उम्र, मोटापा, तनाव, शारीरिक निष्क्रियता, अत्यधिक नमक का सेवन, धूम्रपान, शराब और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं

शामिल हैं। भारत समेत पूरी दुनिया में करोड़ों लोग हाई ब्लड प्रेशर से जूझ रहे हैं, लेकिन चिंता की बात यह है कि बड़ी संख्या में लोग या तो अपनी बीमारी से अनजान हैं या फिर इससे जुड़े कई मिथकों पर भरोसा कर लेते हैं।

गलत जानकारी के कारण कई मरीज समय पर जांच नहीं करवाते या डॉक्टर की सलाह के बिना दवाएं बंद कर देते हैं। ये गंभीर खतरे को कारण बन सकती है। आइए बीपी को लेकर फैले ऐसे ही कुछ आम मिथ्स और उनके पीछे छिपे वैज्ञानिक सच को जान लेते हैं।

मिथः सिर्फ बुजुर्गों को ही होता है हाई ब्लड प्रेशर।

हाई ब्लड प्रेशर को अक्सर बढ़ती उम्र की बीमारी मान लिया जाता है, लेकिन अब कम उम्र के लोग भी इसका शिकार होते जा रहे हैं।

बदलती जीवनशैली, मोटापा, तनाव, जंक फूड्स और शारीरिक निष्क्रियता के कारण कम उम्र के युवाओं में भी हाई बीपी की समस्या तेजी से बढ़ रही है। 20-30 की आयु में भी युवाओं में हाइपरटेंशन के मामले सामने आ रहे हैं। यदि आपके परिवार में हाई बीपी की हिस्ट्री रही है, तो आपमे जोखिम और बढ़ जाता है।

मिथः शुरुआत में ही लक्षणों से हो सकती है पहचान।

हाई ब्लड प्रेशर को साइलेंट किलर इसलिए कहा जाता है क्योंकि अधिकांश लोगों में लंबे समय तक कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते। कई मरीजों में इसका पता ही तब चल पता चलता है जब नियमित जांच में बीपी बढ़ा हुआ मिलता है। कई लोगों को इसका पता ही तब चल पाता है जब हार्ट अटैक, स्ट्रोक या किडनी की समस्या जैसी जटिलताएं सामने आती हैं। हाई ब्लड प्रेशर में सिरदर्द, चक्कर, धुंधला दिखना या सांस फूलने जैसे लक्षण हो सकते हैं, लेकिन इन लक्षणों का न होना सामान्य ब्लड प्रेशर की गारंटी नहीं है।

मिथः बीपी सामान्य हो जाए तो दवा बंद कर देनी चाहिए।

ब्लड प्रेशर की दवाएं बीमारी को नियंत्रित करती हैं, उसे पूरी तरह खत्म नहीं करतीं। दवा लेने से बीपी सामान्य रहता है, लेकिन डॉक्टर की सलाह के बिना दवा बंद करने पर यह दोबारा बढ़ सकता है और हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

मिथः नमक कम खा रहे हैं, तो हाई बीपी नहीं होगा।

नमक का अधिक सेवन हाई ब्लड प्रेशर का एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक है, लेकिन यह अकेला कारण नहीं है। आनुवंशिकता, मोटापा, तनाव, किडनी की बीमारी, शारीरिक निष्क्रियता और हार्मोन संबंधी समस्याएं भी हाई बीपी का कारण बन सकती हैं। इसके अलावा कई पैकेज्ड और प्रोसेस्ड फूड में छिपा हुआ सोडियम भी काफी मात्रा में होता है। ये चीजें भी बीपी बढ़ाने वाली हो सकती हैं।

समाज इवेंट

बैडमिंटन चैंपियनशिप में पहले दिन एएआई एलआईसी और इंडिया पोस्ट की बड़ी जीत

रायपुर। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित 'योनेक्स-सनराइज ऑल इंडिया इंटर इंस्टीट्यूशनल बैडमिंटन टीम चैंपियनशिप-2026' का रविवार को रायपुर के मोवा स्थित आईस्पोर्ट्ज़ बैडमिंटन एरीना में भव्य शुभारंभ हुआ। इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन का उद्घाटन नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के सीईओ चंदन कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर रायपुर के एयरपोर्ट डायरेक्टर श्री योगेश नगाइच भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुष और महिला टीम वर्ग में बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण मुकाबले खेले गए, जहां विभिन्न संस्थानों के खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। पुरुष टीम वर्ग के मुकाबलों में भारतीय जीवन बीमा निगम ने शानदार खेल दिखाते हुए भारतीय वायु सेना को 3-0 के अंतर से करारी शिकस्त देकर अपने अभियान की विजयी शुरुआत की। एक अन्य एकतरफा मुकाबले में इंडिया पोस्ट की टीम ने भारतीय खाद्य निगम को 3-0 से हराकर अपनी प्रभावशाली जीत दर्ज की। वहीं, मेजबान टीम एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भी अपना दबदबा कायम रखते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम को 3-0 से मात दी। महिला वर्ग की बात करें तो, यहां भी एएआई का जलवा रहा। महिला टीम वर्ग के एक बेहद अहम और कड़े मुकाबले में एएआई ने एलआईसी को 3-1 से हराकर एक महत्वपूर्ण जीत अपने नाम की। इस मैच में दोनों ही टीमों ने उच्च स्तरीय खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन एएआई ने अपने बेहतर तालमेल से बाजी मार ली। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश के सात प्रमुख संस्थान हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें एएआई, एलआईसी, आरबीआई, भारतीय वायु सेना, ईएसआईसी, एफसीआई और इंडिया पोस्ट शामिल हैं। इस टूर्नामेंट का आकर्षण इसलिए भी बढ़ गया है, क्योंकि इसमें किरन जॉर्ज, प्रियांशु राजावत और मालविका बनसोड जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के मशहूर खिलाड़ी भी अपना दमखम दिखा रहे हैं। इस रोमांचक प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले सोमवार को खेले जाएंगे।

अर्जुन, कवीश, समृद्ध, समाया और प्रिशा बने टेबल टेनिस के विजेता

रायपुर। राजधानी टेबल टेनिस संघ, जिला रायपुर द्वारा सप्रे शाला टेबल टेनिस हॉल, रायपुर में 26 जून से शुरू स्व. श्रीमती रमाबाई काले एवं स्व. श्री रामराव काले स्मृति रायपुर जिला मानसून लीग टेबल टेनिस प्रतियोगिता (यूथ/सब जुनियर/होप्स)₹ रविवार को संपन्न हुयी। आयोजन सचिव विनय बैसवाड़े ने बताया कि तीन दिनों तक खेली गयी उक्त प्रतियोगिता में खेले गये सभी वर्गों के अंतिम सुपर लीग मुकाबले में यूथ अंडर-19 (यूथ) एकल वर्ग में अर्जुन मल्होत्रा, यूथ अंडर-19 (यूथ) एकल वर्ग में समाया पांडे, यूथ अंडर-15 (सब जूनियर) बालक एकल वर्ग में कवीश काला, यूथ अंडर-15 (सब जूनियर) बालिका एकल वर्ग में समाया पांडे एवं यूथ अंडर-11 (होप्स) बालक एकल वर्ग में समृद्ध मिश्रा, यूथ अंडर-11 (होप्स) बालिका वर्ग में प्रिशा पाटिल विजेता बने। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मास्टर्स टेबल टेनिस खिलाड़ी राजीव काले थे। अध्यक्षता छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड रायपुर के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर सिविल सुरेश दुबे ने की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी, विनय बैसवाड़े, मुख्य निर्णायक अजीत बनर्जी एवं प्रवीण निरापुरे उपस्थित थे। मंच संचालन पी.एन. मजुमदार ने किया। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक अजीत बनर्जी एवं सहायक निर्णायक गीता पंडित व पी.एन. मजुमदार थे। इस अवसर पर प्रियंक पांडे, परिवेश मिश्रा, हेमराज डेकाटे, एनआईएस कोच युवराज सिंह, राष्ट्रीय खिलाड़ी रामजी कुमार, आदेश जैन, इंसी पांडे, सुनील पाटिल, राष्ट्रीय अंपायर प्रिया चावड़ा, अनिल डेंगवानी, सदस्यगण, खिलाडीगण, प्रशिक्षकगण, पालकगण उपस्थित थे।

■ रमाबाई-रामराव काले स्मृति रायपुर जिला मानसून लीग टेबल टेनिस प्रतियोगिता संपन्न

सभी वर्गों के सुपर लीग के अंतिम परिणाम

यूथ अंडर-19 (यूथ) बालक वर्ग में विजेता-अर्जुन मल्होत्रा, उपविजेता- यशवंत डेकाटे 3-0 तृतीय-कवीश काला, यूथ अंडर-19 (यूथ) बालिका वर्ग में विजेता-समाया पांडे, उपविजेता-आरना खोटेले 3-1 तृतीय- वेदी कछवाहा,यूथ अंडर-15 (सब जूनियर) बालक वर्ग में विजेता-कवीश काला, उपविजेता-विवान बैसवाड़े 3-0,तृतीय-आरुष नथानी,यूथ अंडर-15 (सब जूनियर) बालिका वर्ग में विजेता-समाया पांडे,उपविजेता-वेदी कछवाहा 3-1 तृतीय- आरना ठाकुर,यूथ अंडर-11 (होप्स) बालक वर्ग में विजेता-समृद्ध मिश्रा, उप विजेता-विराज शर्मा 3-0 तृतीय- धैर्य चंद्राकर यूथ अंडर-11 (होप्स) बालिका वर्ग में विजेता- प्रिशा पाटिल, उपविजेता-पूजस कौर विरदी 3-0 रहे।

बगैर तंदूर के भी बनाई जा सकती है नान

अगर आप तंदूरी खाने के शौकीन हैं, तो आपके लिए ऐसा जुगाड़ है जिनकी मदद से घर पर परफेक्ट तंदूर तैयार किया जा सकता है।

घर पर कैसे बनाएं तंदूर?

वैसे तो आप लकड़ी और मिट्टी दोनों तरीके से तंदूर तैयार कर सकते हैं। हालांकि, इन दोनों ही तंदूर को बनाने के लिए काफी मेहनत की जरूरत होती है। वैसे तो हमारा जुगाड़ ऐसा है कि आप कुछ ही मिनट में घर पर तंदूर तैयार कर सकते हैं। जी हां, आपको बस खाली पड़ा गमला चाहिए होगा। सबसे पहले गमले को अच्छी तरह से साफ करें। फिर अच्छी तरह से धोकर गमले को सूखने के लिए रख दें। अब मिट्टी वाली जगह पर गमले को रखें। इसके अंदर आग जलाने के लिए लकड़ी या फिर कोयले का इस्तेमाल किया जा सकता है।

डेक वुड का कर सकते हैं इस्तेमाल

आप तंदूर में आग लगाने के लिए डेक वुड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। जब तंदूर में इस लकड़ी को डालकर खाना पकाया जाता है तब इसका स्वाद ही नहीं बल्कि महक भी खाने में आ जाती है और इस वजह से खाने का जायका बदल जाता है। लोगों को तंदूरी चिकन या पनीर का स्वाद यहां इसलिए अलग लगता है और अपनी तरफ खींच लाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां का तंदूरी खाना डेक वुड में बनता है। अब आप अगर घर पर तंदूर में खाना पकाते हैं तो फिर आप अब से इस खास लकड़ी में ही खाना पकाएं, क्योंकि इसका स्वाद खाने को और भी ज्यादा अच्छा बना देगा।

भव्यम और सावी ने जीता राज्य अंडर-11 फिडे शतरंज चैंपियनशिप का खिताब

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वावधान में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य अंडर-11 फिडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप 2026 का सफल समापन बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ा तालाब, रायपुर में हुआ। प्रतियोगिता के ओपन वर्ग में रायपुर के भव्यम झावर ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 7 अंक अर्जित कर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। दुर्ग के वी. विराट अय्यर 6 अंक के साथ उपविजेता रहे, जबकि रायपुर के निशांत साहू भी 6 अंक अर्जित कर तृतीय स्थान पर रहे। दुर्ग के चनवीर सिंह (6 अंक) चौथे, रायपुर के राजवीर अजवानी (6 अंक) पांचवें तथा दुर्ग के सर्वेश लिल्हारे (6 अंक) छठे स्थान पर रहे।

बालिका वर्ग में रायपुर की सावी गौरी ने 7 अंक के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। रायगढ़ की अनिरुधि अनंत 6 अंक के साथ द्वितीय एवं रायपुर की अनिका रेड्डी गोलुगुरी 6 अंक के साथ तृतीय स्थान पर रहीं। रायगढ़ की स्वरा बोरखाड़े (5 अंक) चौथे, बिलासपुर की संबोधी सिंह (5 अंक) पांचवें तथा बिलासपुर की समायरा उभरानी (5 अंक) छठे स्थान पर रहीं।

प्रतियोगिता के परिणामों के आधार पर ओपन वर्ग से भव्यम झावर एवं वी. विराट अय्यर तथा बालिका वर्ग से सावी गौरी एवं अनिरुधि अनंत का चयन आगामी माह कर्नाटक में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय अंडर-11 शतरंज चैंपियनशिप के लिए हुआ, जहाँ वे छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

यह अंतरराष्ट्रीय स्तर (फिडे रेटेड) की प्रतियोगिता थी, जिसमें प्रदेश के 15 जिलों से आए 105 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इनमें 78 बालक एवं 27 बालिकाएं शामिल थीं।

कार्नर न्यूज

114 खिलाड़ियों की कुल 8 टीमों ने लिया हिस्सा

टर्मिनेटर नाइट राइडर्स बनी इंटर हाउस अंडर-17 क्रिकेट सीजन 4 की विजेता

कुम्हारी। टर्मिनेटर इंटरनेशनल क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित इंटर हाउस अंडर-17 क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-4 का सफल आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में टर्मिनेटर इंटरनैशनल क्रिकेट एकेडमी के 17 वर्ष आयु वर्ग के 114 खिलाड़ियों की कुल 8 टीमें बनाई गई थीं। 17 जून से शुरु हुई प्रतियोगिता में टर्मिनेटर कुम्हारी कैपिटल्स, टर्मिनेटर रुंगटा टाइटन्स, टर्मिनेटर रॉयल्स, टर्मिनेटर महासमुंद इंडियंस, टर्मिनेटर सुपर किंग्स, टर्मिनेटर नाइट राइडर्स,टर्मिनेटर रॉयल चैलेंजर्स एवं टर्मिनेटर किंग्स की टीम शामिल रहीं।

लीग मुकाबलों के बाद टर्मिनेटर नाइट राइडर्स, टर्मिनेटर रुंगटा टाइटन्स, टर्मिनेटर किंग्स एवं टर्मिनेटर महासमुंद इंडियंस ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल मुकाबलों में टर्मिनेटर नाइट राइडर्स और टर्मिनेटर किंग्स ने जीत दर्ज कर फाइनल में अपनी जगह बनाई।

फाइनल मुकाबले में टर्मिनेटर किंग्स ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया और टर्मिनेटर नाइट राइडर्स को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नाइट राइडर्स ने 25 ओवर के मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 256 रन बनाए। टीम की ओर से आर्यन दुबे ने 68 रन और गणेश

नागवानी ने 62 रन और कप्तान काव्य साहू ने 54 रन की शानदार पारियां खेलीं। वहीं टर्मिनेटर किंग्स की ओर से लावण्य ठाकुर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट हासिल किए।

257 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टर्मिनेटर किंग्स की टीम ने अच्छा संघर्ष किया। टीम की ओर से मनोज पटेल ने शानदार 91 रन बनाए, जबकि लावण्य ठाकुर ने 31 रन का योगदान दिया इसके बावजूद भी टर्मिनेटर किंग्स की टीम निर्धारित ओवरों में 219 रन ही बना सकी।

नाइट राइडर्स की ओर से गेंदबाजी में युवराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि शिवम ने 2 विकेट प्राप्त किए। इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए युवराज केवट को मैन ऑफ द मैच चुना गया। टर्मिनेटर नाइट राइडर्स ने यह मुकाबला 37 रनों से जीतकर इंटर हाउस अंडर-17 क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-4 का खिताब अपने नाम किया। तृतीय स्थान का मुकाबला टर्मिनेटर रूंगटा टाइटंस ने जीता। प्रतियोगिता का मैन ऑफ़ द मैच सीरीज का ख़िताब मनोज पटेल को मिला। प्रतियोगिता के बैस्ट बैटर का पुरुष्कार मनोज पटेल को मिला। प्रतियोगिता के बैस्ट गेंदबाज शिवांश दीवान रहे। प्रतियोगिता का बैस्ट विकेट कीपर का ख़िताब नेहल कौशिक को मिला। बैस्ट क्षेत्ररक्षक का ख़िताब आदित्य वर्मा को दिया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर एकेडमी के निदेशक एवं मुख्य कोच एन.आई.एस क्रिकेट कोच डॉ. शबाब कुरैशी ने सभी खिलाड़ियों, कोचों, अभिभावकों, अंपायरों एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक माहौल, मैच अनुभव, नेतृत्व क्षमता तथा मानसिक मजबूती प्रदान करती हैं, जिससे भविष्य में वे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए तैयार होते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'स्ट्रेंजर थिंग्स'की ब्राउन और हार्बर फिर साथ करेंगे नई सीरीज

'स्ट्रेंजर थिंग्स' सीरीज में बॉबी ब्राउन और डेविड हार्बर ने पिता और बेटी का किरदार निभाया था। यह दोनों एक्टर्स अब एक बार फिर से साथ नजर आएंगे। एक नई सीरीज में बॉबी ब्राउन और डेविड हार्बर साथ अभिनय करने वाले हैं। 'स्ट्रेंजर थिंग्स' की एक्ट्रेस मिली बॉबी ब्राउन और एक्टर डेविड हार्बर को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। इस सीरीज में मिली बॉबी ने 'इलेवन' और डेविड हार्बर ने 'जिम हॉपर' का रोल निभाया था। एक बार फिर से ये दोनों साथ अभिनय करने वाले हैं। एक नई स्पाई ड्रामा सीरीज का हिस्सा बॉबी ब्राउन और एक्टर डेविड हार्बर बन रहे हैं। जानिए, इस नई सीरीज में इनके किरदार क्या होने वाले हैं। यह स्पाई ड्रामा नेटफ्लिक्स पर आएगी, यह पॉल वार्नर के पहले उपन्यास 'ए स्पाई इन द ब्लड' से इंस्पायर है। इस सीरीज में डेविड हार्बर, मैट वुल्फ के किरदार में नजर आएंगे, जो एफबीआई के एक पूर्व एजेंट थे और अब सिक्योरिटी कंसल्टेंट बन गए हैं। उन्हें वापस एफबीआई में जाना पड़ जाएगा। वहीं सीरीज में उनकी बेटी रेबेका का किरदार मिली बॉबी ब्राउन निभाएंगी, वह भी एक एफबीआई एजेंट है। पिता और बेटी के रिश्ते अच्छे नहीं हैं। लेकिन अचानक बेटी गायब हो जाती है, इसके बाद पिता को अपने जासूसी के काम पर लौटना पड़ता है। बता दें की हार्बर और मिली बॉबी के बीच मनमुटाव की खबरें भी सामने आई थीं। दरअसल, ऐसी अटकलें लगी थीं कि हार्बर ने मिली ब्राउन को परेशान किया और उनके साथ बुरा बर्ताव किया। बाद में इन खबरों पर हार्बर ने कहा था, 'आप जिन लोगों के साथ 10 साल तक समय बिताते हैं, कभी-कभी उनसे बहस या असहमति हो जाती है। परिवारों में भी तो ऐसा होता है।

टॉलीवुड

मोहनलाल ने जर्मनी में बिखेरा जलवा, धनुष के गाने 'मेघम करुकथा' पर किया जबरदस्त डांस

साउथ के सुपरस्टार मोहनलाल ने जर्मनी में हुए एक खास इवेंट को यादगार बना दिया। इस दौरान उन्होंने अपने शानदार डांस और सिंगिंग से फैंस का दिल जीत लिया। जर्मनी में हुए इस इवेंट के कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इस स्टार-स्टडेड इवेंट में मोहनलाल ने कई पॉपुलर गानों पर परफॉर्म किया, जिनमें धनुष का सुपरहिट गाना 'मेघम करुकथा' भी शामिल था। इस गाने पर उन्होंने एक्ट्रेस सानिया अय्यप्पन के साथ जबरदस्त डांस किया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

'मेघम करुकथा' गाना फिल्म 'थिरुचित्रम्बलम' का है, जिसमें धनुष और नित्या मेनन नजर आए थे। इस गाने को नेशनल अवॉर्ड भी मिल चुका है, और जब मोहनलाल ने इसे स्टेज पर रीक्रिएट किया तो लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं।इसके अलावा मोहनलाल ने सानिया अय्यप्पन और स्वासिका के साथ 'इल्लुमिनाटी' और 'कालापक्कारा' जैसे गानों पर भी डांस किया। इन परफॉर्मेंस के वीडियो अब सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं और फैंस उनके एनर्जी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। इवेंट का एक और खास पल तब आया जब मोहनलाल ने मशहूर सिंगर केएस चित्रा के साथ स्टेज शेयर किया। दोनों ने साथ में गाना गाया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

यह खास इवेंट 'द कम्प्लीट एक्टर मोहनलाल लाइव इन जर्मनीः बियोंड द स्क्रीन' का हिस्सा था, जो 26 जून को जर्मनी के ओबरहाउजेन में आयोजित हुआ। इस इवेंट में कई भारतीय कलाकार शामिल हुए और भारतीय सिनेमा का जश्न मनाया गया। इवेंट के बाद सानिया अय्यप्पन ने अपने इंस्टाग्राम पर मोहनलाल के साथ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। उन्होंने प्यार से उन्हें 'पूकी लालेट्टन' भी कहा।

भोजपुरी

अरविंद अकेला ने नए गाने 'राउंड राउंड' से लूट ली महफिल

अरविंद अकेला कल्लू अपने नए गाने 'राउंड राउंड' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसे शिल्पी राज ने अपनी खूबसूरत आवाज से सजाया है। गाना काफी पसंद किया जा रहा है। भोजपुरी इंडस्ट्री कमाल कर रही है। फिल्में हों या गाने...इनका अलग रुतबा है। फिलहाल, भोजपुरी गानों में दिलचस्पी लेने वालों को एक और तोहफा मिला है। अरविंद अकेला कल्लू का गाना 'राउंड राउंड' रिलीज हुआ है। इसमें कल्लू अलग ही अंदाज में नजर आ रहे हैं। पा रा म्यूजिक ने अपने नए भोजपुरी म्यूजिक वर्टिकल 'भोजपुरी धूम' का आगाज किया है। इसे वाराणसी में भव्य तरीके से लॉन्च किया गया। 'राउंड राउंड' इसका डेब्यू गाना है। इसे अरविंद अकेला कल्लू और शिल्पी राज ने गाया है। गाना कल्लू और एंजेल लीजा पर फिल्माया गया है। कल्लू जहां स्टाइलिश लुक में छा गए हैं। वहीं, एंजेल ने ग्लैमर का तड़का लगाया है। यह गाना कल 10 जून को रिलीज हुआ था। 'राउंड राउंड गाना' पैरा भोजपुरी धूम के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है। खबर लिखे जाने तक इसे 4.80 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। अपने अंदाज से अरविंद अकेला कल्लू भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव और पावर स्टार पवन सिंह को कड़ी टक्कर देते दिख रहे हैं। कल्लू का स्टाइल तो गजब लग ही रहा है, साथ ही डांस भी काफी धमाकेदार है। 'राउंड राउंड' एक जबर्दस्त एनर्जी वाला डांस ट्रैक है, जो एंटरटेनमेंट और शानदार विजुअल्स का मिश्रण है।

दिव्यांगता का रंग

दुनिया भर में दिव्यांग लोगों को बेहद सम्मान की नजर से देखा जाता है। इनके लिए फैशन शो आयोजित होते हैं। ये फ़ैशन शो दिव्यांग लोगों के लिए समावेश, सुलभता और स्टाइल को दिखाते हैं। तमन्ना फ़ैशन शो नई दिल्ली, एबिलिटीज एक्सपो फ़ैशन शो शिकागो, न्यूयॉर्क फ़ैशन वीक इन्क्लूजन शो, मेक्सिको सिटी इन्क्लूसिव फ़ैशन इवेंट सोमाया म्यूज़ियम और नारायण सेवा संस्थान दिव्यांग फ़ैशन शो जैसे ढेर सारे आयोजन हैं जो साल भर चलते रहते हैं।

बिना हीटिंग टूल्स की मदद से भी कर सकती हैं अपने बालों को स्ट्रेट

क्या आपके बाल घुंघराले हैं? इसलिए आपको अपने बाल नहीं पसंद। ज्यादातर लोग बालों को सीधा करने के लिए हेयर ट्रीटमेंट जैसे स्ट्रेटनिंग और स्मूदनिंग करवाते हैं, लेकिन ये ट्रीटमेंट लंबे समय तक नहीं चलते हैं। साथ ही, बालों को डैमेज कर देते हैं। इसके कारण कई बार बाल झड़ने और टूटने लगते हैं। बाजार में हींट टूल्स मलते हैं, जिनकी मदद से भी बाल सीधे हो जाते हैं। इन प्रोडक्ट्स में आर्टिफिशियल हीट होती है, जिससे बाल खराब हो जाते हैं। सोचिए अगर आपके पास हेयर स्ट्रेटनर न हो, तो आप क्या करेंगी? कई तरीके हैं, जिनकी मदद से आप बालों को सीधा कर सकती हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको बिना हीटिंग टूल्स के बालों को स्ट्रेट करने के साथ-साथ हेयर केयर टिप्स भी बताएंगे।

बालों में चावल का पानी लगाने के फायदे

बालों को स्ट्रेट करने के लिए आप चावल के पानी का इस्तेमाल किया जा सकता है। चावल के पानी में विटामिन ए, सी, ई, फ्लेवोनोइड्स और फेनोलिक कंपाउंड पाए जाते हैं। ये सभी तत्व बालों को टेक्सचर को बेहतर बनाने का काम करते हैं। कोरियन स्किन और हेयर केयर में चावल का पानी एक अहम हिस्सा है। चावल के पानी के उपयोग से बाल शाइनी, स्ट्रेट और लंबे होने लगते हैं।

सबसे पहले चावल को पानी से अच्छे से धो लें, ताकि धूल-गदंगी साफ हो जाए। अब चावल में साफ पानी डालें और भीगने के लिए छोड़ दें। करीब 1-2 घंटे बाद चावल के पानी को छलनी से छानकर एक स्प्रे बोतल में भर लें। चावल के पानी को 24 घंटे तक फर्मेंट होने के लिए रख दें। बालों को शैंपू करने के बाद चावल के पानी से हेयर रिंस करें।

एलोवेरा से बाल सीधे कैसे करें?

क्या आपके बाल घुंघराले हैं। इन्हें स्ट्रेट करने के लिए आप हीटिंग टूल्स का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन ये प्रोडक्ट्स बालों को फायदा कम नुकसान ज्यादा पहुंचाते हैं। बालों को सीधा करने के लिए आप एलोवेरा जले का इस्तेमाल कर सकती हैं।

एक बाउल में 2 चम्मच एलोवेरा जेल में 1 चम्मच कैस्टर ऑयल, 2 चम्मच शहद, नींबू की कुछ बूंदें डालें। अब इन्हें अच्छे से मिक्स कर लें।

इस पेस्ट का इस्तेमाल बालों को सीधा करने के लिए कर सकती हैं। एक साथ ब्रश से बालों की लंबाई में इस पेस्ट को लगा लें। जब पेस्ट सूख जाए, तब बालों को शैंपू से धो लें। एलोवेरा जेल से बने इस पेस्ट का उपयोग करने से बालों को फायदा होगा।

मैक्सी स्कर्ट के टॉप चुनने याद रखें जरूरी टिप्स

मैक्सी स्कर्ट को स्टाइल करने के लिए टी-शर्ट, फिटेड शर्ट, पेपलम टॉप, वेस्टकोट और असिमेट्रिक टॉप सबसे अच्छे विकल्प माने जाते हैं। सही टॉप का चुनाव स्कर्ट की फिटिंग, फैब्रिक और मौके के अनुसार करें। इससे आपका लुक ज्यादा बैलेंस्ड, स्टाइलिश और आकर्षक दिखाई देगा।

फैशन की दुनिया में कुछ कपड़े ऐसे होते हैं जो कभी आउट ऑफ ट्रेंड नहीं होते और मैक्सी स्कर्ट उनमें से एक है। आरामदायक होने के साथ-साथ यह बेहद एलिगेंट और वर्सेटाइल भी होती है। चाहे कॉलेज जाना हो, ऑफिस मीटिंग हो, दोस्तों के साथ कॉफी डेट हो या किसी पार्टी में शामिल होना हो, मैक्सी स्कर्ट हर मौके पर आपको स्टाइलिश दिखा सकती है।

हालांकि कई महिलाएं मैक्सी स्कर्ट खरीद तो लेती हैं, लेकिन अक्सर यह समझ नहीं पातीं कि इसके साथ कौन-सा टॉप पहना जाए। गलत टॉप चुनने पर पूरा लुक बिगड़ सकता है, जबकि सही कॉम्बिनेशन आपके व्यक्तित्व को निखार सकता है। फैशन एक्सपर्ट्स के अनुसार मैक्सी स्कर्ट के साथ हमेशा ऐसा टॉप चुनना चाहिए जो शरीर के ऊपरी हिस्से को संतुलित करे और कमर को बेहतर तरीके से डिफाइन करे। आजकल सोशल मीडिया और स्ट्रीट फैशन में मैक्सी स्कर्ट के साथ फिटेड शर्ट, बेसिक टी-शर्ट, पेपलम टॉप, वेस्टकोट और ऑफ-शोल्डर टॉप काफी ट्रेंड में हैं। यदि आप भी अपनी मैक्सी स्कर्ट को नए और स्टाइलिश अंदाज में पहनना चाहती हैं, तो यह फैशन गाइड आपके लिए बेहद उपयोगी साबित होगी।

बेसिक टी-शर्ट के साथ फ्लोई मैक्सी स्कर्ट

अगर आपके पास फ्लोई मैक्सी शर्ट है तो आप इसे गर्मियों के मौसम में बेहद ही स्टाइलिश और सहज तरीके से कैरी कर सकती हैं। कॉलेज, कॉफी डेट, सफर या वीकेंड आउटिंग के लिए इस तरह की स्कर्ट परफेक्ट हो सकती है। लेकिन इस स्कर्ट के साथ कैसा

बैकहैंड पर लगाएं ये खूबसूरत और आसान मेहंदी डिजाइन

मेहंदी लगाना महिलाओं को काफी पसंद होता है। अब तो कई सारे ऐसे त्योहार और शादी का सीजन आ रहा है कि महिलाएं सबसे ज्यादा मेहंदी लगाना पसंद करेंगी। कई सारी महिलाएं ऐसी होती हैं जो डिजाइन के अलग-अलग ऑप्शन ऑनलाइन सर्च करती हैं और बाहर से जाकर वैसे ही डिजाइन को हाथों में लगवाती हैं। इस बार आपको हम बैकहैंड के कुछ ट्रेंडी डिजाइन के बारे में बताएंगे। इन्हें लगाना भी काफी आसान है और ये सिंपल भी होते हैं। अगर आपको बैकहैंड पर खुला खुला मेहंदी का डिजाइन लगाना है। वो भी भरकर तो इसके लिए आप इस डिजाइन को क्रिएट कर सकती हैं। बस आपको दोनों हाथों में अलग-अलग डिजाइन क्रिएट करना है। एक में आपको गोल टिक्की डिजाइन के साथ फूल क्रिएट करना है। दूसरे में एक तरफ फूल और दूसरी तरफ लाइन खींचकर उसमें गोल डिजाइन बनाना है। इस तरीके से आपकी खूबसूरत सिंपल मेहंदी लगकर रेडी हो जाएगी। इन्हीं डिजाइन को आप उंगलियों पर क्रिएट कर सकती हैं।

चेन मेहंदी डिजाइन

मेहंदी डिजाइन के आपको अलग-अलग ऑप्शन मिल जाएंगे। लेकिन अगर आपको बैकहैंड पर सिंपल मेहंदी लगानी है तो इसके लिए आप इस तरीके के चेन मेहंदी डिजाइन को क्रिएट करा सकती हैं। इसमें कलाई पर ऊपर और नीचे की तरफ फूल का डिजाइन बनाया जाएगा। जिसे पत्तियों कंप्लीट किया जाएगा। फिर ऊपर की तरफ चेन बनानी है। इसके बाद उंगलियों पर फूल का डिजाइन दोबारा क्रिएट करना है। ऐसे आपका बैकहैंड मेहंदी डिजाइन लगकर रेडी हो जाएगा।

सिंपल चूड़ियों की सेलिब्रिटी स्टाइल में करें सेटिंग

महिलाओं का श्रृंगार चूड़ियों के बिना अधूरा है। एक अच्छी और फैंसी लुक वाली चूड़ी आपके सिंपल-सोबर लुक में चार-चांद लगा देती है। बाजार में भी आपको तरह-तरह के पैटर्न और डिजाइन में चूड़ियां मिल जाएंगी। मगर सबसे ज्यादा मुश्किल होता है कि चूड़ियों की मैचिंग या सेटिंग को नया अंदाज देना। आज हम आपको कुछ सेलिब्रिटीज द्वारा की गई चूड़ियों की सेटिंग स्टाइल दिखाएंगे, जिन्हें देख कर आप भी उन्हेंज रीक्रिएट कर सकती हैं।

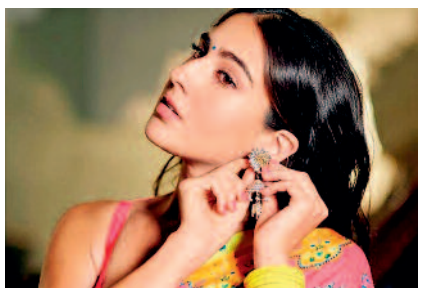

दो रंग की चूड़ियों को मिक्स -मैच करें-

आजकल बाजार में आपको हर रंग की चूड़ियां मिल जाएंगी। अगर आपके आउटफिर में 1 से अधिक रंग हैं तो 2 सबसे अधिक नजर आने वाले रंगों की चूड़ियों को आप मिक्स -मैच करके पहन सकती हैं। मिक्स-मैच करने के लिए आप सिंपल और एक जैसे पैटर्न की चूड़ियां खरीदे और उन्हेंह बंच में एक हाथ में पहन लें।

टिप्सः हाथों में अगर आप 2 रंग की चूड़ियां पहन रही हैं, तो आधा दर्जन एक रंग की और आधा दर्जन दूसरे रंग की चूड़ी पहनें। बाजार में आपको बहुत से पैटर्न की चूड़ियां मिल जाएंगी मगर इस तरह से अगर आप चूड़ियों की सेटिंग कर रही हैं तो आपको वेल्वेएट, थ्रेड वर्क या मेटल की चूड़ियां ही खरीदनी चाहिए।

हरे रंग की चूड़ियों को इस तरह करें सेट

हरे रंग की चूड़ियों का फैशन कभी भी पुराना नहीं होता है और आप इन्हेंक किसी भी ट्रेडिशनल आउटफिट और किसी भी रंग के साथ पहन सकती हैं। खासतौर पर किसी त्यो हार या फिर शादी के फंक्शन में आप हरे रंग की चूड़ियों को स्टाइलिश अंदाज में पहनना चाहती हैं, तो आपको गोल्ड न मेटल या कांच की चूड़ियों के साथ उन्हें सेट करके पहनना चाहिए। आप चाहें तो सोने की चूड़ियों के साथ भी हरे रंग की कांच की चूड़ियां पहन सकती हैं।

टिप्स- कांच की चूड़ियों के साथ लाख के कड़े को भी आप सेट कर सकती हैं। अगर आपको मोती वर्क पसंद है तो बाजार से मोती वर्क वाले कड़े खरीद लें और हरे रंग की चूड़ियों के साथ पहनें।

कार्नर न्यूज

कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होते स्ट्राइप्स प्रिंट्स, जरूर अपनाएं

स्ट्राइप्स आउटफिट को कैरी करते समय छोटे-छोटे टिप्स को करें फॉलो, निखर जाएगी खूबसूरती

खुद को स्टाइल करते हुए हम सभी कई तरह के स्टाइल व प्रिंट्स को कैरी करते हैं। फैशन की इस दुनिया में यू तो स्टाइल बदलते रहते हैं। लेकिन कुछ ऐसे प्रिंट्स होते हैं, जो कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होते हैं। इन्हीं प्रिंट्स में से एक है स्ट्राइप्स। स्ट्राइप्स को हम सभी कभी साड़ी तो कभी सूट तो कभी टॉप में इस प्रिंट को स्टाइल करते हैं।

स्ट्राइप्स में भी आपको कई तरह के पैटर्न मिल जाएंगे, जिन्हें आप अपने स्टाइल व पसंद के अनुसार पहन सकती हैं। कई बार ऐसा होता है कि आप स्ट्राइप्स में भी अच्छे नहीं लगते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि स्ट्राइप्स पहनते समय आप कुछ छोटी-छोटी बातों पर ध्यान नहीं देती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको स्ट्राइप्स आउटफिट पहनते समय ध्यान रखना चाहिए-

बॉडी टाइप का रखें ध्यान

स्ट्राइप्स पैटर्न में आपको चौड़ाई से लेकर कलर व डायरेक्शन तक काफी वैरिएशन मिल जाएंगी। इसलिए, यह जरूरी है कि जब भी आप स्ट्राइप्स पहनें तो इन छोटी-छोटी चीजों पर फोकस करें। स्ट्राइप्स को हमेशा अपनी बॉडी टाइप को ध्यान में रखते हुए ही पहनना चाहिए। मसलन, अगर आप अधिक लंबी और स्लिम दिखना चाहती हैं तो ऐसे में वर्टिकल स्ट्राइप्स पहनना अच्छा आइडिया है। वहीं, अपनी बॉडी को थोड़ा हैवी दिखाने के लिए हॉरिजॉन्टल स्ट्राइप्स पहन सकती हैं।

अलग-अलग स्ट्राइप्स को करें स्टाइल

अगर आप स्ट्राइप्स में भी स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो इसका एक अच्छा तरीका है कि आप अलग-अलग स्ट्राइप्स को एक साथ स्टाइल करें। मसलन, आप थिन स्ट्राइप्स और थिक स्ट्राइप्स को एक साथ पहन सकती हैं। अगर आप साड़ी पहन रही हैं तो ऐसे में आप थिक व थिन स्ट्राइप्स को स्टाइल कर सकती हैं। इसी तरह, आप थिन स्ट्राइप्स शर्ट के साथ थिक स्ट्राइप्स स्कर्ट या पैंट को पहन सकती हैं। इससे आपका लुक यकीनन काफी स्टाइलिश लगेगा।

स्ट्राइप्स में यूं तो आप एक खास पैटर्न को पहनकर भी स्टनिंग दिख सकती हैं। लेकिन अगर आप स्ट्राइप्स में अलग-अलग पीसेस पहन रही हैं तो आपको इसके कलर पर खासतौर पर ध्यान देना चाहिए। कोशिश करें कि आप स्ट्राइप्स में ऐसे कलर्स पहनें, जो एक-दूसरे को कॉम्पलीमेंट करें। अगर आप अलग-अलग कलर्स को एक साथ पहनने में कंफर्टेबल नहीं हैं तो आप कुछ क्लासिक कॉम्बिनेशन जैसे ब्लैक एंड व्हाइट या फिर रेड एंड व्हाइट को पहन सकती हैं। यह कॉम्बिनेशन हर किसी पर अच्छा लगता है।